▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 251 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 11-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित


# JAIN MISSION HOSPITAL

A Not-for-Profit Initiative by Jain Mission Trust®

# 412/32/2, B B Road, Chikkaballapur - 562101 (Karnataka)

Tel : 08156-295108/456 | www.jainmissionhospital.com

वर्ष 2021 में **जैन मिशन हॉस्पिटल, चिक्कबल्लापुर** का समाज के दानवीर भामाशाहों के सहयोग से करीब 50 हज़ार वर्ग फ़ीट में लगभग सभी स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण कर जनसेवा का शुभारंभ हुआ।

जैन मिशन हॉस्पिटल का एक मात्र मुख्य उद्देश्य न्यूनतम दर पर उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना, जिससे विशेष कर ग्रामीण क्षेत्र में बसे हुए सभी वर्गों के लोगों को श्रेष्ठतम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सके। गत कुछ समय से स्थानीय लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए नई स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने हेतु भामाशाहों ने स्वेच्छा एवं उत्साह से इस भगीरथ कार्य में जुड़ने की स्वीकृति प्रदान की और इन **3 ब्लॉक का उद्घाटन तीन भामाशाह परिवारों** द्वारा **12.04.2026 रविवार** को सम्पन्न होने जा रहा है।

**KANUNGA BLOCK**
श्रीमती लीलादेवी रणजीतमलजी कानूँगा परिवार
KANUNGA GROUP OF COMPANIES
गढ़-सिवाना / बेंगलूरु

**SURANA BLOCK**
श्रीमती भँवरीबाई घेवरचंदजी सुराणा परिवार
MICRO LABS LIMITED
बालराई / बेंगलूरु

**MALHOTRA BLOCK**
श्रीमती शांतिदेवी ईश्वरनाथजी मल्होत्रा परिवार
INDO RUBBER & PLASTIC WORKS
मेरठ / उत्तर प्रदेश

## FACILITIES

- General Medicine
- General Surgery
- Obstetrics and Gynecology
- Pediatrics
- Ophthalmology
- Physiotherapy
- Dentistry
- Radiology
- Casualty
- Orthopedics
- Pathology
- Imaging
- ICU
- NICU
- Dermatology
- ENT
- Dialysis
- Neurology
- Nephrology
- Urology
- Cardiology
- Oncology
- Pulmonology

## LOKARPANE

of 3 New Blocks

**Sunday, 12th April, 2026 @ 10.00 A.M.**

**CHIEF GUEST**
**Justice N. Santosh Hegde**
Former Judge, Supreme Court of India

**LIGHTING OF LAMP**
**Shri. Prithviraj Kothari**
Chairman, JITO APEX

**GUEST OF HONOUR**
**Dr. K. Sudhakar**
Member of Parliament
Chikkaballapur

**Shri. Pradeep Eshwar**
Member of Legislative Assembly
Chikkaballapur

**PRESIDED BY**
**Dr. B. S. Srinath**
Managing Trustee, Sri Shankara Cancer Foundation

❖ सभी दानदाताओं, ट्रस्टियों और शुभचिंतकों को WhatsApp द्वारा कार्यक्रम का आमंत्रण भिजवाया गया है। यदि किसी कारणवश नहीं पहुँचा हो तो इसे आमंत्रण मानकर कार्यक्रम में भाग लेने का विशेष आग्रह है।

❖ अस्पताल को सुसंचालित करने में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ एवं कर्मचारियों का समर्पण भाव इसे ऊंचाइयां प्रदान करने में सहायक बना है।

❖ इस अवसर पर जैन मिशन ट्रस्ट की ओर से आप सभी का तहेदिल से आभार। भविष्य में इसी प्रकार सहयोग की आशा एवं विश्वास रखते हैं।

## JOURNEY OF 5 YEARS

❖ करीब 2 लाख 40 हज़ार मरीजों की जांच व इलाज़ सम्पन्न हो चुका है एवं अधिकतर मरीजों का इलाज रियायती दरों पर किया गया। इस अवधि के दौरान इन स्वास्थ्य सुविधाओं के जरिए लगभग 15 करोड़ रुपये का लाभ मरीजों को पहुँचाया गया है।

❖ 5 वर्ष पूर्व यहां पर रियायती दर पर डायलिसिस सुविधा प्रारंभ की गई। समय की मांग को देखते हुए उदारमना जनों के सहयोग से नवंबर, 2024 से इसे मरीजों के लिए पूर्णतः निःशुल्क कर दिया गया है। प्रसन्नता है कि इस अवधि में करीब 29000 डायलिसिस सम्पन्न हो चुके हैं।

❖ नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में करीब 4 हज़ार निःशुल्क ऑपेरशन हो चुके हैं।

❖ न्यूनतम दर पर करीब 1000 से ज्यादा प्रसूति (Deliveries) सम्पन्न हुई।

❖ अस्पताल के माध्यम से समय-समय पर विभिन्न प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप अस्पताल परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों में आयोजित किए जाते रहे हैं।

**CHIEF PATRON**
Dilip Surana Anand Surana

**MANAGING COMMITTEE**
Suresh Kumar Jain, President | Laxmi Chand Bhandari, Vice President | Uttamchand Kothari, Hon.Secretary | Manish Khadiwala, Jt. Secretary | Gulab Pagaria, Treasurer

**HOSPITAL MANAGEMENT**
Dr. Narpat Solanki, Chairman, Jain Mission Hospital | Dr. Mahesh H. Bijjawara, Chairman, Medical Advisory Board | Dr. Balakrishna C K, Medical Director | Syed Bahauddin, COO

CLICK FOR LOCATION

## उज्जैन में बोरवेल में गिरे भागीरथ को निकाला गया, चिकित्सा जांच के लिए भेजा

**उज्जैन/भाषा।** मध्यप्रदेश के उज्जैन जिले में बडनगर तहसील स्थित एक गांव में बृहस्पतिवार शाम बोरवेल में गिरे ढाई वर्षीय भागीरथ को तकरीबन 23 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाल लिया गया लेकिन उसके स्वास्थ्य की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। उज्जैन के जिलाधिकारी रोशन कुमार सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि बच्चे को निकाल लिया गया है और उसे सिविल अस्पताल भेजा गया है। बच्चे की हालत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सिंह ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही सभी एजेंसियां सक्रिय हो गई थीं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच बच्चे को बचाने के लिए सभी वैकल्पिक उपाय भी किए गए। बोरवेल से निकाले जाने के तत्काल बाद उसे एम्बुलेंस में रखकर अस्पताल ले जाया गया। भागीरथ को बचाने के लिए पूरी रात बचाव अभियान चलाया गया और इस दौरान चट्टान के कारण खुदाई में काफी परेशानियां आईं। यह हादसा उज्जैन से करीब 75 किलोमीटर दूर बडनगर तहसील के झलारिया गांव में बृहस्पतिवार शाम लगभग सात से साढ़े सात बजे के बीच हुआ।

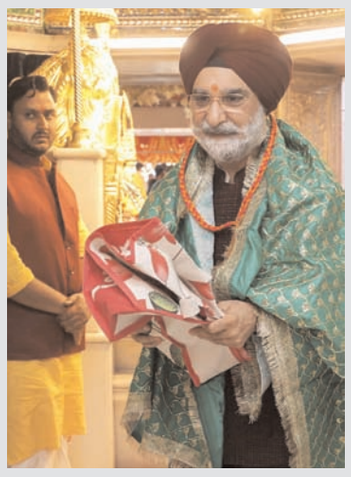

## नार्को-आतंकवाद से निपटने के लिए संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत : संधू

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को नार्को-आतंकवाद के खिलाफ मजबूत समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि यह सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक और शासन संबंधी चुनौतियों के केंद्र में मौजूद है।

'नार्को-आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए एलजी ने कहा कि नार्को-आतंकवाद अब कोई दूरस्थ खतरा नहीं है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह आज की सुरक्षा, आर्थिक और शासन संबंधी चुनौतियों के केंद्र में मौजूद है। मादक पदार्थों का वैश्विक व्यापार संगठित अपराध, धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण को बढ़ावा देता है।''

संधू ने मजबूत समन्वय, प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग और एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया, जो प्रवर्तन के साथ-साथ रोकथाम पर भी उतना ही ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने रणनीतिक, कानून प्रवर्तन, राजनयिक और शैक्षणिक जगत के विशेषज्ञों की भागीदारी वाले इस सम्मेलन में हुए संवाद को कार्रवाई में बदलने तथा नार्को-आतंकवाद के खिलाफ अधिक समन्वित वैश्विक प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया।

## सरकार ने प्राकृतिक शहद के लिए न्यूनतम आयात मूल्य बढ़ाया

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने शुक्रवार को प्राकृतिक शहद पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) को नौ महीने के लिए इस साल 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया। यह कदम सस्ते शहद के आने वाली खेपों को रोकने के मकसद से उठाया गया है। न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) 1,400 डॉलर प्रति टन है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा, ''प्राकृतिक शहद के निर्यात पर मौजूदा 1,400 डॉलर एफओबी (फ्रेट ऑन बोर्ड) प्रति टन एमआईपी को 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दिया गया है।'' एक अलग अधिसूचना में, डीजीएफटीने कहा कि पंख, खाल और दूसरे वस्तुओं के निर्यात के लिए एक और शर्त जोड़ी गई है।

# राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले शत प्रतिशत भूमि अधिग्रहण हो : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी नए राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना को मंजूरी देने से पहले उसके लिए शत प्रतिशत भूमि अधिग्रहण होना चाहिए क्योंकि ऐसा न होने पर यह सड़क निर्माण में एक बड़ी बाधा बनता है।

'विकसित भारत 2047' पर आयोजित 17वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि राजमार्ग मंत्रालय के पास 15 लाख करोड़ रुपए मूल्य की राजमार्ग परिसंपत्तियां हैं जिनका मौद्रीकरण किया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' भूमि अधिग्रहण, वन एवं पर्यावरण मंजूरी राजमार्ग परियोजनाओं के समक्ष पेश होने वाली बड़ी समस्याएं हैं। हमने यह अनिवार्य किया था कि 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के बिना कोई नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना शुरू नहीं होगी। अब मेरा मानना है कि 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के बिना नई परियोजनाओं के लिए 'अपॉइंटेड डेट' नहीं दी जानी चाहिए।'' 'अपॉइंटेड डेट' राजमार्ग परियोजनाओं के लिए औपचारिक शुरुआत की तारीख होती है जो यह संकेत देती है कि निर्माण शुरू करने के लिए भूमि अधिग्रहण एवं आवश्यक मंजूरियां पूर्णत: पूरी हो चुकी हैं। गडकरी ने एकबार फिर दोहराया कि राजमार्ग निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने वाले सलाहकार ही सड़कों की खराब हालात के असली जिम्मेदार हैं। मंत्री ने सुझाव दिया कि एनएचएआई के सेवानिवृत्त अधिकारी अपने अनुभव का इस्तेमाल कर डीपीआर तैयार करने के लिए कंपनियां शुरू कर सकते हैं। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) किसी सड़क निर्माण परियोजना की विस्तृत रूपरेखा होती है जिसमें उसके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तकनीकी, वित्तीय और लॉजिस्टिक विवरण शामिल होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निर्माण उद्योग में काफी संभावनाएं हैं और इसे गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्माण लागत कम

# भोजशाला है सरस्वती मंदिर और 'ज्ञान पीठ', लंदन में रखी मूर्ति वापस लाई जाए : हिंदू पक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इंदौर/भाषा।** मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में धार के भोजशाला विवाद के मुकदमे में हिंदू पक्ष के एक याचिकाकर्ता ने शुक्रवार को दावा किया कि 11वीं सदी का यह स्मारक परमार राजवंश के राजा भोज द्वारा स्थापित सरस्वती मंदिर है और इससे जुड़ी 'ज्ञान पीठ' में अलग-अलग विद्याओं का अध्ययन किया जाता था।

याचिकाकर्ता ने कहा कि इस मंदिर में स्थापित सरस्वती की मूर्ति फिलहाल लंदन के एक संग्रहालय में है जिसे वापस भारत लाकर भोजशाला में फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ भोजशाला के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर दायर चार याचिकाओं और एक रिट अपील पर छह अप्रैल से नियमित सुनवाई कर रही है। सबसे पहले याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनी जा रही हैं।

सुनवाई के पांचवें दिन हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ताओं में शामिल कुलदीप तिवारी के वकील मनीष गुप्ता ने न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी के सामने अपनी दलीलें पेश कीं। गुप्ता ने खंडपीठ के सामने स्पष्ट किया कि उनके मुवक्किल की याचिका भोजशाला परिसर पर मालिकाना हक के दावे को लेकर दायर नहीं की गई है और इसमें अदालत द्वारा इस परिसर का धार्मिक चरित्र तय करने की गुहार की गई है। उन्होंने कहा कि एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान भोजशाला परिसर में मिलीं हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के अवशेष, भित्तिचित्र, शिलालेख और अन्य सामग्री साबित करती है कि यह स्मारक राजा भोज का स्थापित सरस्वती मंदिर है। अपने दावे पर जोर देने के लिए गुप्ता ने खुद राजा भोज की रचित पुस्तक 'समरांगणसूत्रधार' का उल्लेख किया जो मंदिर निर्माण, मूर्तिकला, नगर नियोजन, महलों और घरों की वास्तुकला पर आधारित है।

## नायडू ने छह महीने में 10 लाख पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को अगले छह महीनों के भीतर पाइप के जरिए घरों पहुंचाई जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) के 10 लाख कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया। यह कदम इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण रसोई गैस की आपूर्ति में आ रही बाधाओं के बीच उठाया गया है।

घरेलू गैस आपूर्ति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने तेल कंपनियों और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मुख्य रूप से आयात की जाने वाली तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के विकल्प के रूप में पीएनजी को बढ़ावा दें। नायडू के हवाले से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, उन्होंने अगले छह महीनों के भीतर 10 लाख पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने का लक्ष्य रखा और अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने में कोई देरी न हो। मुख्यमंत्री ने 'दीपम' योजना के लाभार्थियों के बीच पीएनजी अपनाने के फायदों के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

# प. एशिया संघर्ष से भारत भेजे जाने वाले पैसे पर पड़ सकता असर: क्रिसिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

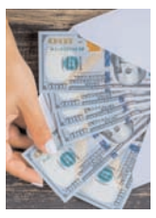

**मुंबई/भाषा।** पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष भारत में बाहर से आने वाले 'मनीऑर्डर' यानी धन-प्रेषण प्रवाह को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि भारतीय प्रवासियों द्वारा भेजे जाने वाले कुल धन का एक-तिहाई हिस्सा खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों से आता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने शुक्रवार को यह कहा।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर जारी एक टिप्पणी में एजेंसी ने कहा कि प्रवासियों की आय में कटौती होने से भारत के चालू खाता घाटे (कैड) पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। एजेंसी ने सचेत किया, ''उनकी आय में गिरावट का असर भारत के कैड पर ऐसे समय में पड़ सकता है जब व्यापार घाटा पहले से ही दबाव में है।'' भारत दुनिया में प्रवासियों से धन-प्रेषण प्राप्त करने वाला सबसे बड़ा देश है और वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 135 अरब डॉलर से अधिक का प्रवाह मिला था। रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक व्यापार प्रवाह में व्यवधान और धीमी वैश्विक वृद्धि दर से भारत की निर्यात वृद्धि में कुछ गिरावट आने की आशंका है। हालांकि, भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्कों में कमी से कुछ सहारा मिल सकता है। क्रिसिल ने अपने आधारभूत परिदृश्य में कच्चे तेल की कीमतों में सालाना आठ से नौ प्रतिशत की वृद्धि के कारण आयात बिल बढ़ने की भी आशंका जताई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संघर्ष के कारण लॉजिस्टिक चुनौतियों और आपूर्ति शृंखला में बदलाव से पश्चिम एशिया को होने वाला निर्यात प्रभावित हुआ है। भारत ने खाड़ी सहयोग परिषद के देशों को 57 अरब डॉलर का माल निर्यात किया। यह भारत के कुल वस्तु निर्यात का 13 प्रतिशत है। अन्य पश्चिम एशियाई देशों को नौ अरब डॉलर (दो प्रतिशत) का निर्यात किया गया। जीसीसी देशों में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं, जबकि अन्य पश्चिम एशियाई देशों में ईरान, इराक, इजरायल, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन आते हैं।

## इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में निवेश 56% बढ़कर 40,450 करोड़ रुपए

**नई दिल्ली/भाषा।** शेयर आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में मार्च में शुद्ध निवेश 56 प्रतिशत बढ़कर 40,450 करोड़ रुपए हो गया। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा बरकरार रहने से इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा है। जुलाई 2025 के बाद यह सबसे अधिक मासिक शुद्ध प्रवाह है तब इक्विटी म्यूचुअल फंड को 42,702 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश प्राप्त हुआ था।

यह वृद्धि मुख्य रूप से फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंड में मजबूत निवेश के कारण हुई जिनकी कुल शुद्ध निवेश में बड़ी हिस्सेदारी रही। 'एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया' (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिये मासिक निवेश बढ़कर 32,087 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले महीने 29,845 करोड़ रुपए था। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में 25,978 करोड़ रुपए के मुकाबले मार्च में इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश बढ़कर 40,450 करोड़ रुपए हो गया।

## टाटा संस के प्रमुख ने एयर इंडिया कर्मचारियों से लागत नियंत्रण, सेवाओं में सुधार पर ध्यान देने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को एयर इंडिया के कर्मचारियों से लागत नियंत्रण पर ध्यान देने, सेवाओं में सुधार करने और चुनौतीपूर्ण स्थिति की वास्तविकता को स्वीकार करते हुए जमीन से जुड़े रहने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने एयरलाइन के लिए समूह की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

गुरुग्राम स्थित एयर इंडिया समूह के मुख्यालय में कर्मचारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''भले ही हमारा भविष्य उज्ज्वल है और हमने अपनी महत्वाकांक्षा के लिए एक ठोस आधार तैयार किया है, लेकिन हम एक चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहे हैं, जिसका प्रभाव विमानन उद्योग में सबसे अधिक दिखाई दे रहा है।'' चंद्रशेखरन ने पुष्टि की कि एयर इंडिया का बोर्ड एयरलाइन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। अभी जो मायने रखता है वह है क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना। उन्होंने कहा, ''हमारा ध्यान उन चीजों पर होना चाहिए जो हमारे नियंत्रण में हैं, जहां हम सुधार कर सकते हैं, लागत के मामले में सटीक हो सकते हैं और स्थिति की वास्तविकता को समझकर जमीन से जुड़े रह सकते हैं।'' यह 'टाउन हॉल' बैठक एयर इंडिया के मुख्य कार्यकापालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन के इस्तीफा देने की पृष्ठभूमि में हुई है। विल्सन ने टाटा समूह की एयरलाइन के साथ अपना सेवा अनुबंध पूरा होने से काफी पहले ही पद छोड़ दिया है।

# इफको ने नैनो उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए 560 जिलों में अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लि. (इफको) ने नैनो तरल उर्वरकों के बारे में जागरूकता पैदा करने और पारंपरिक मिट्टी के पोषक तत्वों के उपयोग को कम करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। शुक्रवार को एक बयान में, सहकारी संगठन ने कहा कि उसने भारतीय किसानों के बीच नैनो उर्वरकों को अपनाने के लिए 'इफको नैनो उर्वरक जागरूकता महाअभियान' शुरू किया है।

यह अभियान 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 560 जिलों और 3,477 तहसीलों को अपने दायरे में लेगा। इफको के चेयरमैन दिलीप संघानी ने कहा, ''भारत आज एक ऐतिहासिक चौराहे पर खड़ा है जहां परंपरा तकनीक से मिलती है, और यह संगम है जो भारतीय कृषि के लिए एक नई दिशा बना रहा है।'' संघानी ने बताया कि इस अभियान का मकसद नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो एनपीके, नैनो जिंक और नैनो कॉपर का बड़े पैमाने पर प्रचार करना है, किसानों को सही तरीके से इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण देना, खासकर पत्तियों पर छिड़काव करना, पुराने उर्वरक पर निर्भरता कम करना और सहकारिता नेटवर्क के जरिए आखिरी आदमी तक पहुंच पक्का करना है। इफको ने नैनो तरल यूरिया प्लस की 218 लाख से ज्यादा बोतलें और नैनो तरल डीएपी की 64.26 लाख से ज्यादा बोतलें बेची हैं। इसके नैनो जिंक और नैनो कॉपर उत्पादों ने भी अपने पहले साल में एक के बाद क्रमश: एक 57 लाख और दो लाख बोतलों की बिक्री दर्ज की।

संघानी ने कहा, ''नैनो यूरिया प्लस की एक 500 मिलीलीटर की बोतल, पुराने यूरिया की तुलना में कहीं बेहतर पोषक क्षमता देती है और साथ ही मिट्टी की सेहत में गिरावट, पानी के प्रदूषण और भारत की उर्वरक आयात पर निर्भरता जैसी बड़ी चुनौतियों का भी समाधान करती है।''

## टाटा संस का सूचीबद्ध होना जनहित में, सरकार और आरबीआई पर भरोसा : शापूरजी पलोनजी मिस्त्री

**नई दिल्ली/भाषा।** शापूरजी पलोनजी (एसपी) समूह के चेयरमैन शापूरजी पलोनजी मिस्त्री ने शुक्रवार को एक बार फिर टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि यह केवल नियामक नियमों का पालन नहीं है, बल्कि जनहित में एक जरूरी कदम है। मिस्त्री ने इस मामले में सरकार और आरबीआई द्वारा निर्णायक कार्रवाई किए जाने पर भरोसा जताया।

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बारे में एक बयान में मिस्त्री ने कहा, ''एसपी समूह को भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक पर पूरा भरोसा है कि वे टाटा संस को सूचीबद्ध करने के मामले में निर्णायक कदम उठाएंगे।'' उन्होंने कहा कि अब तक ऐसा कोई ठोस प्रमाण आधारित तर्क पेश नहीं किया गया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने से टाटा ट्रस्ट के हितों को नुकसान होगा या लाभार्थियों की सेवा करने की क्षमता कम हो जाएगी।

मिस्त्री की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है जिनमें कहा गया कि टाटा ट्रस्ट के दो ट्रस्टी- वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह, टाटा संस को सूचीबद्ध करने के पक्ष में हैं, जबकि टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा इस कदम के खिलाफ हैं।

## वेदांता ने जेएएल के लिए अदाणी की बोली को मंजूरी मिलने के मापदंडों पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता समूह ने शुक्रवार को जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. (जेएएल) के कर्जदाताओं द्वारा अपनाए गए बोली मूल्यांकन मापदंडों पर सवाल उठाए। कर्जदाताओं ने इस कर्ज में डूबी कंपनी के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज की कम मूल्य वाली बोली को चुना था। दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी में सुनवाई के दौरान वेदांता लिमिटेड के वकील ने कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने व्यावसायिक बुद्धिमत्ता को खत्म करने के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया का इस्तेमाल किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिजीत सिन्हा ने मूल्यांकन मानकों की ओर इशारा करते हुए पूछा कि क्या इसका उपयोग मूल्य को अधिकतम करने के लिए किया गया था या किसी अन्य उद्देश्य के लिए। उन्होंने दलील दी कि वेदांता की बोली अदाणी समूह की तुलना में कुल मूल्य में 3,400 करोड़ रुपए और शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) में 500 करोड़ रुपए अधिक थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीओसी की बैठक में कम बोली चुनने पर कोई चर्चा नहीं हुई।

# भारत को ऊर्जा के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भरता को लेकर सतर्क रहना होगा: ओएनजीसी चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी ओएनजीसी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न ऊर्जा गतिरोध के बाद भारत को तेल एवं गैस की आपूर्ति के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की अपनी जरूरतों का करीब आधा एवं गैस का 30 प्रतिशत और एलपीजी का 85-90 प्रतिशत पश्चिम एशिया से आयात करने वाले भारत को ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति और कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाव के लिए रणनीतिक भंडारण क्षमता बढ़ानी चाहिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के एक कार्यक्रम में सिंह ने कहा कि खाड़ी देशों से निर्यात के लिए उपयोग होने वाला प्रमुख समुद्री मार्ग के छह सप्ताह तक बंद रहने से कई आयातक देशों में ऊर्जा संकट पैदा हो गया और भारत को भी गैस आपूर्ति में प्राथमिकता तय करनी पड़ी। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के प्रमुख ने कहा, यह मानकर चलना कि पश्चिम एशिया हमारे नजदीक है और वहां से संसाधन आसानी से मिल जाएंगे, अब सही नहीं रह गया है। सिंह ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और बढ़ते तनाव ऊर्जा सुरक्षा को लेकर स्थापित धारणाओं को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, परिस्थिति में अब बुनियादी बदलाव आया है। अगर दुनिया भूमंडलीकरण के रुझानों से अधिक उलट जाती है, तो फिर हमें और समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। सिंह घरेलू उत्पादन बढ़ाने की जरूरत बताते हुए कहा कि देश में जहां भी तेल एवं गैस के संसाधन हैं, उनका उपयोग किया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने भारत के लिए अपने ऊर्जा स्रोतों एवं आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। रसोई गैस के संदर्भ में ओएनजीसी प्रमुख ने कहा कि भारत ने इसकी घरेलू आपूर्ति को पहले के 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक पहुंचाया है लेकिन इस काम में एक लागत भी आई है। सिंह ने घरेलू रसोई गैस आपूर्ति के लिए पाइप के जरिये घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस (पीएनजी) को प्राथमिकता देने की वकालत करते हुए कहा कि इससे संकट की स्थिति में रसोई गैस आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी। वैश्विक बाजार में बढ़ती अस्थिरता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि रिफाइनिंग मार्जिन अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित हो गए हैं।

# पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कतर ने भारत को भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति का भरोसा दिया

**नई दिल्ली/भाषा।** कतर ने भारत के लिए एक भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बने रहने का अपना संकल्प दोहराया है। कतर के ऊर्जा मंत्री साद शेरिदा अल-काबी ने दोहा में भारतीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ बातचीत के दौरान यह आश्वासन दिया। इस दौरान दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में स्थिरता बनाए रखने का आह्वान किया।

भारत सरकार ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि हरदीप सिंह पुरी 9-10 अप्रैल तक कतर की दो दिवसीय यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने इस क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से एकजुटता का संदेश कतर के नेतृत्व तक पहुंचाया।

दोनों पक्षों ने आठ अप्रैल को घोषित दो सप्ताह के युद्धविराम का स्वागत किया और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में आ रहे व्यवधानों को जल्द खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। बयान में कहा गया कि उन्होंने आपूर्ति शृंखला को बनाए रखने के लिए निर्बाध नौवहन के महत्व पर भी बल दिया।

RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 251 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 11-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 इलाज के साथ बचाव पर जोर देना समय की आवश्यकता : योगी आदित्यनाथ

6 अनिश्चय के भंवर में युद्धविराम का भविष्य

7 परिवार के चक्कर में महिलाएं भूल जाती हैं खुद का ख्याल : ममता कुलकर्णी

## फर्स्ट टेक

### भ्रामक 'जॉम्बी ड्रग' वीडियो साझा करने के मामले में एक व्यक्ति बेंगलूरु से गिरफ्तार

**बेंगलूरु/भाषा।** सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो जिसमें दावा किया गया था कि व्यक्ति तथाकथित 'जॉम्बी ड्रग' के प्रभाव में है, के एक दिन बाद शुक्रवार को पुलिस ने इस मामले में निजी कंपनी के 29 वर्षीय कर्मचारी को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शहर के विद्यारणयापुरा निवासी हेमंत को 'भ्रामक' वीडियो अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

## उलटबांसी

बहरों की सभा सुन रही है,
गूंगे अब गाते मधुर गान।
लूले मैराथन जीत रहे,
बाबाजी देते अतुल दान।
गुणवान सड़क पर घूम रहे,
हो रहा ढपोरों का बखान।
हर तरफ भ्रष्ट ही भ्रष्ट मगर,
अपना भारत फिर भी महान।।

# आत्मनिर्भर है 'जेन ज़ी'

■ विविधता और नवाचार को महत्व देता है आज का युवा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

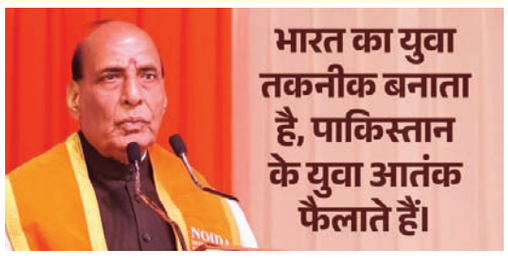


**नोएडा/भाषा।** भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि 'जेन ज़ी' के बारे में धारणाएं अक्सर अनुचित होती हैं। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि आज के युवा आत्मनिर्भर हैं, निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं और नवाचार तथा विविधता को महत्व देते हैं।

सिंह ने गौतमबुद्ध नगर स्थित 'नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी' के दीक्षांत समारोह में यह बात कही।

'जेन ज़ी' वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ। उन्होंने कहा कि 'जेन ज़ी' को अक्सर 'आलसी' कहा जाता है, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि यह पीढ़ी आत्मनिर्भर है, अपने फैसले खुद लेती है, सहयोग में विश्वास करती है और विविधता को महत्व देती है।

सिंह ने कहा कि समस्याओं को सुलझाने के प्रति 'जेन ज़ी' का दृष्टिकोण व्यावहारिक है, उनमें लचीलापन है और स्वायत्तता की इच्छा है।

उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी 30 वर्ष से कम उम्र की है और इसे महज एक आंकड़ा नहीं बल्कि एक मजबूत राष्ट्रीय शक्ति बताया।

# सशस्त्र बलों को एकीकृत और प्रौद्योगिकी से लैस करने की जरूरत : सीडीएस चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/भाषा।** प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बलों को एकीकृत, चुस्त और प्रौद्योगिकी से लैस बल के रूप में विकसित होने की तत्काल आवश्यकता है, जो विभिन्न युद्धक्षेत्रों में सुचारु रूप से काम करने में सक्षम हो। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक युद्ध तेजी से पारंपरिक सीमाओं और समय-सीमाओं से परे जा रहा है।

जनरल चौहान ने 'रण संवाद-2026' नाम से आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि 'मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस' (एमडीओ) अब केवल एक वैचारिक चर्चा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संघर्ष के बदलते स्वरूप में हुई प्रगति के कारण एक उभरती हुई युद्ध वास्तविकता बन गई है।

■ डेटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संघर्ष के बदलते स्वरूप में हुई प्रगति के कारण एक उभरती हुई युद्ध वास्तविकता बन गई है।

एमडीओ आधुनिक सैन्य रणनीति है जिसमें थल, जल (समुद्र), वायु, साइबर, और अंतरिक्ष सभी पांचों क्षेत्रों में एक साथ और समन्वित तरीके से युद्ध लड़ा जाता है। सीडीएस ने कहा, ''एमडीओ को इस वर्ष के विषय के रूप में इसलिए नहीं चुना गया कि यह एक प्रचलित शब्द है, बल्कि मुझे लगता है कि यह एक प्रकार की नई वास्तविकता है।''

देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने कहा कि सेवारत अधिकारियों को रणनीतिक चर्चा के केंद्र में रखने के उद्देश्य से आयोजित इस संगोष्ठी ने मध्य स्तर और कनिष्ठ अधिकारियों को भविष्य के युद्ध को लेकर अपने दृष्टिकोण व्यक्त करने का मौका दिया है।

# कानून निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पणजी/भाषा।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि महिलाएं व्यापार, शिक्षा और विज्ञान समेत सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं तथा नीति एवं कानून निर्माण में उनकी भागीदारी भी उसी अनुरूप बढ़नी चाहिए।

बिरला ने यहां राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए), भारत क्षेत्र, पश्चिम जोन-सात के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायतों से लेकर राज्य विधानसभाओं और संसद तक, महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत किया जाना चाहिए और कानून बनाने में उनकी भूमिका को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''महिलाएं व्यापार, शिक्षा और विज्ञान समेत सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और नीति निर्माण एवं कानून निर्माण में उनकी भागीदारी तदनुसार बढ़नी चाहिए।''

बिरला की ये टिप्पणियां संसद के विशेष सत्र से कुछ दिन पहले आईं, जिसमें 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' (जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है) में संशोधन किया जाएगा ताकि इसे 2029 के आम चुनावों से लागू किया जा सके।

### नकद बरामदगी मामला: इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश

# न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

**नई दिल्ली/भाषा।** विवादों में घिरे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया है, जिससे उनके खिलाफ जारी महाभियोग की कार्यवाही निष्प्रभावी हो गई है। पिछले साल न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से जली हुई नोटों की गड्डियां बरामद होने के बाद से वह आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं।

दिल्ली उच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास में 14 मार्च, 2025 को होली की रात लगभग 11 बजकर 35 मिनट पर आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी मिलने का दावा किया गया था। आग बुझाने के लिए अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

नौ अप्रैल को राष्ट्रपति को भेजे गए एक पत्र में 57 वर्षीय न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि वह ''अत्यंत दुख'' के साथ अपना इस्तीफा दे रहे हैं और इस पद पर सेवा करना उनके लिए सम्मान की बात थी।

arihant
GROUP OF INSTITUTIONS

CONGRATULATIONS!
ALL STUDENTS, PARENTS & STAFF!

OUR TOPPERS — II PUC RESULTS 2025-2026

STATE LEVEL RANK HOLDERS

6th RANK
Mahak M Jain
II PUC COMMERCE
99.16%
Sanskrit – 100/100
Business Studies – 100/100
Accountancy – 100/100
Statistics – 100/100

10th RANK
Himanshu V Chouhan
II PUC COMMERCE
98.50%
Accountancy – 100/100
Statistics – 100/100
Basic Maths – 100/100

11th RANK
Thanushree S
II PUC SCIENCE
98.20%
Computer Science - 100/100

Apoorva R
97.50%
Physics - 100/100

Moulyashree P
97.00%

Navya Shree S
97.00%
Mathematics - 100/100

Indra Kumar
96.83%
Business Studies – 100/100

K Monika
96.83%

Deepika B M
96.33%
Business Studies – 100/100

Gomathichandra G
96.16%
Sanskrit - 100/100

Nithyashree V
96.16%

Moksha P Bhandari
95.83%
Sanskrit - 100/100
Economics - 100/100

Sushmitha S
95.66%
Computer Science - 100/100

Hrithik Balaji H S
95.50%

Abdul Hassan
95.33%

Ramya V
95.16%
Sanskrit - 100/100
Computer Science - 100/100

Varshitha D
95.00%

Spandana R
94.83%
Computer Science - 100/100

Nakul V
94.66%
Computer Science - 100/100

Hemashree L
94.50%
Sanskrit - 100/100

Sinchana D Gowda
94.33%

Sinchana S
94.16%

Sanjana S
93.83%

Ritu S
93.50%

S Haripriya
93.16%

Yaana Jain
92.83%

Keerthana N
92.66%

Nishagowda S B
92.66%

Ravi Kumar A
92.50%

Chahat Parekh
92.33%

Akshitha S
92.33%

Sonu V B
92.33%

Lakshitha Verma
92.17%


Divyashree S
92.16%
Computer Science - 100/100


Nanditha R
92.00%


Pavan Devaraj
92.00%


Jayanth Gowda Y J
91.16%


Nanda Kishore
91.83%


Hana Zakir Hussain
91.33%


Ganesh G
91.00%


Charantej H
90.83%


Sanju Dayya
90.83%


Ashray C
90.50%
Computer Science - 100/100


Vishnu S
90.50%


Rachitha A
90.50%


Pallavi R
90.33%


Mahalakshmi H S
90.16%

Over 42% of Arihant Students Achieved Distinction

ADMISSIONS OPEN

• PU: SCIENCE & COMMERCE
Integrated with JEE, NEET, CET & CA

• DEGREE: B.Com | BBA | BCA | MCA | MBA
Core, Edge, Pro & Professional Courses

Corporate Campus
R V Road, V V Puram, Bengaluru

Global Campus
Thalaghattapura, Bengaluru

92 36 36 36 36
agiedu.in
/agieduofficial

# गुदड़ी का लाल : मुकुल चौधरी

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनूं जिले की पहचान हमेशा से वीर सैनिकों की धरती के रूप में रही है। देश की सीमाओं की रक्षा के लिए यहां के सपूतों ने जिस शौर्य का परिचय दिया है, वही जज्बा अब खेल के मैदान में भी दिखाई देने लगा है। गुरुवार को ईडन गार्डन्स, कोलकाता के ऐतिहासिक मैदान पर इस जज्बे की झलक देखने को मिली, जब झुंझुनूं के गुढ़ा गौड़जी के युवा खिलाड़ी मुकुल चौधरी ने अपने बल्ले से ऐसा कमाल किया, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया।

मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम हार के कगार पर खड़ी थी। जीत लगभग दूर होती जा रही थी, लेकिन तभी मुकुल चौधरी ने मैदान संभाला। अंतिम ओवरों में उन्होंने जिस निडरता और आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी की, वह किसी रणभूमि में लड़ते योद्धा से कम नहीं थी।मुकुल ने महज 27 गेंदों में 54 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 2 शानदार चौके शामिल थे। इस पारी ने न सिर्फ मैच का रुख पलट दिया, बल्कि टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया. कोलकाता की टीम को उसी के घर में हार का सामना करना पड़ा।

इस जीत के पीछे एक ऐसी कहानी है, जो हर किसी की आंखें नम कर देती है। मैच के बाद मुकुल चौधरी ने जो कहा, उसने उनकी सफलता को और भी बड़ा बना दिया। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने उन्हें क्रिकेटर बनाने के लिए कर्ज लिया, यहां तक कि घर तक बेच दिया।मुकुल की आंखों में चमक थी, लेकिन शब्दों में जिम्मेदारी अब सबसे पहले मैं अपने पिताजी का कर्ज उतारूंगा उनकी मेहनत और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। झुंझुनूं की धरती ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां के युवा चाहे सीमा पर हों या मैदान में, हर जगह देश और अपने परिवार का नाम रोशन करना जानते हैं।

# गहलोत का केंद्र सरकार पर हमला, बोले-पचपदरा रिफाइनरी में देरी से विकास और रोजगार प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पचपदरा रिफाइनरी प्रोजेक्ट को लेकर वर्तमान सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस परियोजना को संभालने के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें लगातार देरी की गई है, जिससे इसकी लागत कई गुना बढ़ गई है। गहलोत ने कहा कि इस परियोजना की शुरुआती लागत लगभग 37,229 करोड़ रुपए थी, जो अब बढ़कर करीब 80,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी खराब योजना और राजनीतिक कारणों से हुई देरी का नतीजा है। उन्होंने इसे विकास कार्यों में देरी का एक उदाहरण बताते हुए इंतजार शास्त्र का मेगा चैप्टर कहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इस परियोजना में जानबूझकर देरी की है, जिससे राज्य की जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय इस परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया था, लेकिन बाद में इसमें रुकावटें आईं।

गहलोत ने यह भी कहा कि इस देरी के कारण राजस्थान की अर्थव्यवस्था और युवाओं के रोजगार के अवसरों पर नकारात्मक असर पड़ा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर भाजपा राजस्थान के विकास को लेकर इतनी उदासीन क्यों है? उन्होंने परियोजना की शुरुआत का जिक्र करते हुए बताया कि इसकी परिकल्पना 2008 में कांग्रेस सरकार के दौरान की गई थी। उस समय हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ बातचीत शुरू हुई थी, हालांकि शुरुआत में कंपनी इस परियोजना को लेकर हिचकिचा रही थी। बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद इस परियोजना को मंजूरी मिली थी। उन्होंने यह भी बताया कि सोनिया गांधी ने इसकी आधारशिला रखी थी, जिसका उद्देश्य राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत बनाना था।

गहलोत का कहना है कि सरकार बदलने के बाद इस परियोजना में राजनीतिक कारणों से बाधाएं आईं और काम की गति धीमी पड़ गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वजह से यह महत्वपूर्ण परियोजना प्रभावित हुई है और राज्य के विकास पर इसका असर पड़ा है। अशोक गहलोत ने कहा कि यह प्रोजेक्ट कई साल तक अटका रहा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को इसके लिए कई बार विरोध प्रदर्शन करने पड़े और दबाव बनने के बाद ही भाजपा ने 2018 में इस पर दोबारा काम शुरू किया।

गहलोत ने अपनी सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि जब कांग्रेस फिर से सत्ता में आई, तो इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी गई। उनके अनुसार, कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद काम लगातार आगे बढ़ता रहा और उनकी सरकार के दौरान लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट में हुई देरी का सीधा असर रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ा है। गहलोत के मुताबिक इस देरी की वजह से राजस्थान के युवाओं को कई महत्वपूर्ण अवसरों से वंचित होना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी को कांग्रेस सरकार की एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि जब यह परियोजना लगभग पूरी होने की स्थिति में है तो इसका आकार और प्रगति जनहित के प्रति उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उनके अनुसार, यह एक ऐसा विकास मॉडल है जिसमें राजनीतिक हितों से ऊपर जनता के हित को प्राथमिकता दी गई।

पचपदरा रिफाइनरी से इस क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, हालांकि इस परियोजना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और बहस अब भी जारी है।

## एक घर के अंदर से मिले तीन शव

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले के एक पॉश इलाके में 59 वर्षीय महिला और उसके दो बेटों के शव उनके घर के अंदर मिले। पुलिस ने आशंका जताई है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शव बृहस्पतिवार शाम जोधपुर रोड स्थित अशापुरा टाउनशिप के एक मकान से बरामद किए गए। मकान दो दिनों से बंद था। पुलिस के अनुसार, बड़ा बेटा नरपत लाल (34) पंखे से लटका हुआ मिला, जबकि उसकी मां शांति देवी (59) और छोटा भाई रघुवीर (26) फर्श पर पड़े मिले।

पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह ने बताया कि मौके से दो मोबाइल फोन और एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि दो शवों के पास जहर की बोतल भी मिली। पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट से संकेत मिलता है कि बीमारी से उत्पन्न अवसाद के कारण परिवार ने यह कदम उठाया, हालांकि अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

## ट्रेलर ने तंबू में सो रहे मजदूरों को कुचला, तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में शुक्रवार तड़के एक ट्रेलर ने तंबू में सो रहे मजदूरों को कुचल दिया जिससे दो नाबालिग लड़कियों और एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा गुड़ा गौड़जी थाना क्षेत्र अंतर्गत नांगली निर्वाण गांव में हुआ, जहां दो परिवारों के सदस्य कार्यस्थल पर तंबू लगा कर सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, ट्रेलर ने सो रहे मजदूरों को कुचल दिया।

# हमारी सरकार कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) में प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही, उन्हें वैश्विक स्तर आधारित कृषि प्रणालियों को समझने और अपनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्राम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 15 अप्रेल से ग्राम पंचायत स्तर पर किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर रथ भेजे जाएंगे, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। इसमें सुझाव पेटिका भी रखी जाएगी, जिससे किसान योजनाओं से जुड़े अपने सुझाव भी दे सकें।

शर्मा शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम 2026) मीट के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम-2026 एक ऐसा मंच होगा जहां किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता मिलकर किसानों के सशक्तीकरण के लिए संवाद करेंगे। इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर्स पर एकेडेमिक-संस्थागत एवं विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसके माध्यम से कृषि उत्पादन, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा राज्य बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ तथा ग्वार में प्रथम, मूंग तथा मूंगफली के उत्पादन में द्वितीय तथा सोयाबीन के उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक तरीकें से खेती करते हुए रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग करना चाहिए तथा मृदा परीक्षण के आधार पर खेती अपनानी चाहिए, ताकि भूमि की उर्वरता भविष्य के लिए सुरक्षित रह सके। साथ ही, उन्होंने जल संरक्षण के लिए फव्वारा (स्प्रिंकलर) जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को अपनाने पर भी जोर दिया। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर निर्णय ले रही है। अब तक राज्यभर में 4 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र स्थापित करवाए जा चुके है। साथ ही, नहरी जल के संग्रहण के लिए कुल 12 हजार 476 डिग्गियों का निर्माण तथा कुल 32 हजार 918 किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन लगाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के माध्यम से 12 लाख से अधिक पशुओं की निःशुल्क बीमा पॉलिसी जारी की गई है। 1962 मोबाइल वेटरिनरी सेवाएं तथा 536 मोबाइल वाहनों द्वारा करीब 60 लाख पशुओं का उपचार कर 15 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है। साथ ही, मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत हमारी सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक स्तर में वृद्धि करने के उद्देश्य से 5 रुपये प्रति लीटर प्रत्यक्ष आर्थिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया, जिसके तहत राज्य के कृषि क्षेत्र में निवेश के लिए लगभग 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक के 2 हजार 539 एमओयू हुए।

## यातायात पुलिस ने इलेक्ट्रिक कार का प्रदूषण चालान काटा

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में यातायात पुलिस ने कथित तौर पर एक इलेक्ट्रिक कार का प्रदूषण चालान काट दिया, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सात अप्रैल को जिला मुख्यालय क्षेत्र में कृषि मंडी तिराहे पर हुई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया। अधिकारियों के अनुसार, यातायात पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक ने इलेक्ट्रिक कार को रोका और 1,700 रुपये का चालान जारी कर दिया, जिसमें प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र न होने और कार के शीशों पर काली फिल्म चढ़ी होने का हवाला दिया गया। वीडियो में चालक यह तर्क देता दिखता है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन पुलिसकर्मी कथित तौर पर यह कहता नजर आता है कि चालान जारी होगा, क्योंकि पीओएस मशीन में पीयूसी प्रदर्शित नहीं हो रहा। जिला परिवहन अधिकारी ने कहा कि ईवी के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होती और संबंधित पुलिसकर्मी को इस विषय को ठीक से समझना चाहिए।

# प्रधानमंत्री देश के पहले इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का करेंगे शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रेल को बालोतरा में देश के पहले एचपीसीएल इंटीग्रेटेड रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी के माध्यम से राजस्थान देश की ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बनेगा और साथ ही, इससे प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति भी मिलेगी। शर्मा ने आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पचपदरा स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी देश-प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने में कारगर होगी। इस परियोजना की संशोधित लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपये है। इस इकाई की वार्षिक शोधन क्षमता 9 मिलियन मैट्रिक टन है।

इसमें 1.5 से 2.5 मिलियन टन राजस्थान क्रूड और 6.5 से 7.5 मिलियन टन आयातित क्रूड का मिश्रण उपयोग किया जाएगा। यह रिफाइनरी लगभग 4 हजार 400 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इस रिफाइनरी से एलपीजी का व्यावसायिक उत्पादन सफलतापूर्वक प्रारंभ हो चुका है। शर्मा प्रधानमंत्री की प्रस्तावित बालोतरा यात्रा की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मौके पर प्रधानमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही, वे रिफाइनरी से उत्पादित एलपीजी प्रोडक्टस के टेंकर्स को हरी झण्डी भी दिखाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग, यातायात, सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि यातायात सुचारू रहने के साथ पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। साथ ही, उन्होंने रिफाइनरी परिसर में वृक्षारोपण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

## अम्बेडकर जयंती के राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों के संबंध में संभागीय आयुक्त ने ली बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष में जयपुर के भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में होने वाले राज्य स्तरीय समारोह सहित 11 से 14 अप्रेल 2026 तक आयोजित होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रमो की आवश्यक तैयारियों के संबंध में संभागीय आयुक्त जयपुर वी. सरवन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्टर सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित हुयी।

जिला कलक्टर संदेश नायक की उपस्थिति में संभागीय आयुक्त ने कहा कि भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती को राज्य सरकार की मंशानुरूप भव्यता एवं गरिमा के साथ आयोजित की जाए। उन्होंने राज्य स्तरीय समारोह स्थल पर समुचित सुरक्षा, पेयजल एवं पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश पुलिस आयुक्त, आयुक्तालय जयपुर को दिये ।उन्होंने पार्किंग स्थल की साफ-सफाई, समारोह स्थल के समतलीकरण, पर्याप्त चल शौचालयों की व्यवस्था, दिव्यांगजनों हेतु पृथक से शौचालयों की व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल के विभिन्न मार्गों की साफ-सफाई, कार्यक्रम स्थल पर दमकल वाहनों की व्यवस्था, डस्टबिन रखने व वेस्ट कलेक्शन पॉइंट स्थापित करने के निर्देश आयुक्त नगरपरिषद को दिये ।

उन्होंने समारोह स्थल पर पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस बल तैनात करने, ट्रैफिक प्लानिंग, डायवर्जन प्लान तैयार करने, एंट्री व एग्जिट प्वाइंट चिन्हित करने और बैरिकेडिंग से यातायात नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने, के निर्देश पुलिस उपायुक्त, यातायात जयपुर को दिए । संभागीय आयुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर उच्च प्रदर्शन हेतु एलईडी एवं साउंड सिस्टम सहित इनमें समस्त व्यवस्थाएं, वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था हेतु डीजी सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ-साथ उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त संख्या में पंखों, कूलरो की व्यवस्था करवाने के निर्देश अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत को दिए हैं।

# नए रूप में निखरेगा जयपुर का राजकीय केंद्रीय संग्रहालय, क्यूआर कोड से मिलेगी पुरावस्तुओं की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में राजकीय केंद्रीय संग्रहालय (अल्बर्ट हॉल) को अब अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दिया जाएगा और इसके लिए विभिन्न तैयारियों के साथ साथ इसका सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिसके लिए राज्य सरकार की ओर से 25 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संग्रहालय के अधीक्षक महेन्द्र कुमार निम्हल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अल्बर्ट हॉल का संरक्षण और जीर्णोद्धार किया जाएगा, इसकी खूबसूरती में चार-चांद लगाने के लिए विशेष तरह की प्रकाश व्यवस्था जाएगी एवं तीन जगहों पर सेंसरयुक्त दरवाजे लगाए जाएंगे। निम्हल ने बताया कि केंद्रीय संग्रहालय में स्थित 18 विभिन्न दीर्घाओं में अलग-अलग पुरावस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है और इन दीर्घाओं को वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया जाएगा ताकि वहां रखी पुरावस्तुएं खराब नहीं हों। इन दीर्घाओं में अंतरराष्ट्रीय दीर्घा, पॉटरी दीर्घा, मूर्तिकला दीर्घा, लाख की दीर्घा, सिक्का दीर्घा, गलीचा दीर्घा, अस्त्रशस्त्र दीर्घा, काष्ठ कला दीर्घा, संगीत वाद्ययंत्र दीर्घा, आभूषण तथा हस्तिदंत दीर्घा आदि शामिल हैं। निम्हल ने कहा, प्रत्येक दीर्घा में क्यूआर कोड लगाया जाएगा। पर्यटकों को एक बटन दबाने पर राजस्थान के इतिहास, कला-संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा, आभूषण, पगड़ी-साफा, लोकगीत समेत कई जानकारियां मिलेंगी। अधीक्षक ने बताया कि पर्यटन सीजन में इस संग्रहालय में एक दिन में करीब आठ हजार और सामान्य दिनों में 1500 से 2000 पर्यटक आते हैं। ऐसे में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए देश के अन्य राज्यों के केंद्रीय संग्रहालय की तरह अल्बर्ट हॉल को भी अलग तरीके से तैयार किया जाएगा।

निम्हल ने बताया कि स्वागत कक्ष पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी जिसमें अल्बर्ट हॉल का पूरा इतिहास बताया जाएगा। ऐसा होने से पर्यटकों को संग्रहालय के अंदर प्रवेश करने से पहले ही वहां रखी पुरावस्तुओं की जानकारी मिल जायेगी। अधीक्षक ने कहा, रात्रि पर्यटन के तहत पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए रोजाना लाइट शो होगा, जिसमें अल्बर्ट हॉल पर अलगअलग तरह की रोशनी करके पर्यटकों को रोमांचित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि संग्रहालय का मुख्य आकर्षण यहां रखी मिस्र की ममी है जिसके इतिहास को जानने के लिए हजारों पर्यटक यहां आते हैं। तूतू नामक महिला की यह मृत देह मिस्र के प्राचीन नगर अखमीन से यहां लाई गई थी। उन्होंने कहा कि यह 322 से 30 ईसवी पूर्व के टोलोमाइक युग की है और इसे कांच के एक विशेष बक्से में सुरक्षित रखा गया है। निम्हल ने बताया कि करीब 2300 साल पुरानी इस ममी का वर्ष 2011 में एक्सरे करवाया गया था, जिसमें पता चला कि उसकी 206 हड्डियां सही सलामत हैं। ममी का एक्सरे भी संग्रहालय में प्रदर्शित है।

अल्बर्ट हॉल के अलावा देश के पांच संग्रहालयों में भी ममी रखी हुई हैं, जिनमें भारतीय संग्रहालय (कोलकाता), तेलंगाना राज्य पुरातत्व संग्रहालय (हैदराबाद), छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (मुंबई), राज्य संग्रहालय (लखनऊ) और वडोदरा संग्रहालय शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि अल्बर्ट हॉल की नींव वेल्स के राजकुमार अल्बर्ट एडवर्ड ने 1876 में रखी थी तथा इसका डिजाइन 1887 में वास्तुकार सैमुअल स्विंटन जैकब ने तैयार किया था। इसका निर्माण महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय ने कराया और इसका नाम तत्कालीन प्रिंस अल्बर्ट के भारत दौरे के दौरान रखा गया। वर्तमान में इसमें करीब 24,930 से ज्यादा प्रदर्शनियां हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती है।

अधीक्षक ने बताया कि संग्रहालय में प्रदर्शित 19वीं शताब्दी की पीतल की ढाल में उभरे छोटेछोटे फलकों पर राम कथा अंकित है, वहीं ढाल के चारों ओर रामायण की घटनाओं का वर्णन करते हुए संस्कृत के श्लोक उत्कीर्ण है। उन्होंने कहा कि एक अन्य ढाल पर महाभारत के दृश्यों को दिखाया गया है।

# वायु सेना अधिकारियों ने बहु-क्षेत्रीय युद्ध प्रणाली अपनाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने आधुनिक युद्ध की तेजी से बदलती प्रकृति के बीच बहु-क्षेत्रीय अभियान (एमडीओ) प्रणाली अपनाने की तत्काल जरूरत पर शुक्रवार को जोर दिया। बेंगलूरु में आयोजित दो दिवसीय 'रण संवाद-2026' संगोष्ठी के समापन के अवसर पर हुए विचार-विमर्श में पारंपरिक, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में फैले युद्धक्षेत्र के विस्तार और अभियानों की प्रभावशीलता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्षमताओं के निर्बाध एकीकरण की जरूरत को रेखांकित किया गया। वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने कहा, रण संवाद, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष के स्तर पर एकदम उचित समय पर की गई उपयुक्त पहल है। उन्होंने भविष्य की सैन्य सोच को दिशा देने में इस मंच के महत्व को रेखांकित किया। कपूर ने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय मौजूदा रणनीतिक वास्तविकताओं के बिल्कुल अनुरूप है और यह तीनों सेनाओं के बीच सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर देता है।

उन्होंने कहा, आज जो हम देख रहे हैं, उसके लिहाज से यह विषय पूरी तरह प्रासंगिक है। सभी को साथ आकर बहु-क्षेत्रीय अभियानों को सक्षम बनाना होगा और उन्हें अमल में लाना होगा। कपूर ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि आज संपन्न हो रही इस संगोष्ठी से हम कुछ बहुत महत्वपूर्ण निष्कर्ष लेकर आगे बढ़ेंगे। ये जरूरत पड़ने पर, भविष्य में किसी भी युद्ध की स्थिति में हमें एक अत्यंत प्रभावी रक्षा बल और मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरने में मदद करेंगे।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए बहुक्षेत्रीय अभियानों को सैन्य रणनीति में ऐसा बड़ा बदलाव बताया जिसकी जरूरत प्रौद्योगिकी के स्तर पर प्रगति और संघर्ष के बदलते स्वरूप के कारण पड़ी है। उन्होंने कहा, बहुक्षेत्रीय अभियानों की अवधारणा एक नया प्रतिमान है जो मौजूदा युद्धक्षेत्र के अनुसार ढलने के लिए आवश्यक है। अंतरिक्ष, साइबर और संज्ञानात्मक जैसे गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में प्रगति के कारण युद्धक्षेत्र और विस्तृत हो गया है।

दक्षिण-पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध की रफ्तार और जटिलता तेज निर्णय लेने एवं समन्वित प्रतिक्रिया देने की मांग करती है। उन्होंने कहा, अब बहुत कम समय में कई अभियान विकल्प तैयार करना संभव हो गया है इसलिए उनका प्रभावी इस्तेमाल करने के लिए हमें बहु-क्षेत्रीय अभियानों की अवधारणा की ओर बढ़ना होगा। सिंह ने कहा कि भविष्य की अभियान व्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकियों और सेनाओं के बीच गहरे सहयोग पर काफी हद तक निर्भर करेगी। उन्होंने एमडीओ की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा, इसकी मुख्य विशेषताएं गति, रफ्तार और तालमेल हैं।

# भूस्खलन में तीन मजदूरों की मौत, पांच-पांच लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के हुलिकल घाट के पास सड़क निर्माण स्थल पर भूस्खलन के कारण तीन मजदूरों की मौके पर मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान राघवेंद्र (37), राजू (30) और शब्बीर (40) के रूप में हुई है। ये सभी घटनास्थल पर दीवार निर्माण कार्य में लगे हुए थे।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार अपराह्न होसनगरा तालुक के हुलिकल घाट में एक घुमावदार मोड़ पर हुई। उन्होंने बताया कि पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मिट्टी और पत्थर खिसककर नीचे आ गए, जिससे श्रमिक मलबे में दब गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में मलबे में दबने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, बचाव दल ने चार घायल श्रमिकों को बाहर निकालकर इलाज के लिए कुंदापुर और उडुपी सहित आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया। उन्होंने कहा कि यह हादसा घाट खंड पर वाहनों की सुरक्षा के उद्देश्य से बनाई जा रही एक अवरोधक (रिटेनिंग) दीवार के निर्माण के दौरान हुआ। मंगलूरु से राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की एक टीम शुक्रवार सुबह मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर कहा कि इस घटना के संबंध में मैंने जिला प्रभारी मंत्री मधु बंगारप्पा से बात कर जानकारी प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री ने लिखा, शिवमोग्गा जिले के होसनगरा तालुक में हुलिकल घाट के मोड़ पर सड़क अवरोधक के निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से तीन श्रमिकों की जान जाने की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं प्रार्थना करता हूं कि श्रमिकों की आत्माओं को शांति मिले और उनके परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस त्रासदी में उन श्रमिकों की जान चली गई है जो अपने परिवारों का सहारा थे। मानवीय आधार पर मृतक श्रमिकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

## मैसूरु और जलपाईगुड़ी के बीच गर्मियों की स्पेशल ट्रेनें

बेंगलूरु। गर्मियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण पश्चिम रेलवे मैसूरु और जलपाईगुड़ी जंक्शन के बीच स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन सेवाएँ चलाएगा, जो दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएंगी। ट्रेन संख्या 06251 मैसूरु-जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस स्पेशल शुक्रवार 17 और 24 अप्रैल को 16:40 बजे मैसूरु से रवाना होगी और रविवार को 17:30 बजे जलपाईगुड़ी जंक्शन पहुँचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 06252 जलपाईगुड़ी जंक्शन-मैसूरु एक्सप्रेस स्पेशल सोमवार 20 और 27 अप्रैल को 16:45 बजे जलपाईगुड़ी जंक्शन से रवाना होगी और बुधवार को 16:00 बजे मैसूरु पहुँचेगी। रास्ते में, यह ट्रेन दोनों दिशाओं में मांड्या, मद्दूर, केंगेरी, केएसआर बेंगलूरु, बंगारपेट, जोलारपेट्टई, काटपाडी, रेनिगुंटा, गुडूर, नेल्लोर, ओंगोल, विजयवाड़ा, राजमुंद्री, कोट्टावलासा, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर, बालूगांव, खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, जाजपुर के रोड, भद्रक, बालासोर, खड़गपुर, अंडुल, डानकुनी, बर्धमान, बोलपुर निकेतन, रामपुर हाट, न्यू फरक्का, मालदा टाउन और किशनगंज स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन 20 कोचों के साथ चलेगी, जिसमें फर्स्ट-एसी, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास, जनरल सेकंड क्लास और एसएलआर/डी कोच शामिल होंगे, जिससे सभी श्रेणियों के यात्रियों के लिए आरामदायक यात्रा सुनिश्चित होगी।

**बैठक**

शुक्रवार को नई दिल्ली में कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी बैठक में भाग लेते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

# परीक्षा परिणाम घोषित होने के कुछ घंटे बाद छात्रा ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में माध्यमिक परीक्षा परिणाम घोषित होने के कुछ घंटे बाद छात्रा ने अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि विज्ञान की छात्रा तनुश्री (17) कथित तौर पर तीन विषयों में अनुत्तीर्ण हो गई थी और आशंका है कि इसी वजह से उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है सिवाय उसके प्रवेश पत्र के जोकि बिस्तर पर पड़ा हुआ था।

पुलिस के अनुसार, यह घटना बृहस्पतिवार को प्री यूनिवर्सिटी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष के परिणाम के घोषित होने के बाद अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे सामने आई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब घर में कोई नहीं था तब उसने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के वक्त उसकी मां काम पर गई हुई थी।

प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि यह स्पष्ट तौर पर आत्महत्या का मामला है। छात्रा तीन विषयों में असफल होने से परेशान थी और इस बारे में बात करने के लिए अपने दोस्तों को भी फोन किया था। दोस्तों ने बताया कि जब तनुश्री ने फोन और संदेशों का जवाब नहीं दिया तो उन्होंने उससे मिलने का फैसला किया। पुलिस ने बताया कि उसकी मां की शिकायत के आधार पर अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है।

## हनुमानगिरि में गोपुरा का हुआ उद्घाटन

# 'सेवा और समर्पण ही जीवन का सच्चा मार्ग' : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दक्षिण कन्नड़। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने दक्षिण कन्नड़ जिले के हनुमानगिरि मंदिर (श्री कोडंडराम, पंचमुखी अंजनेय क्षेत्र) में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान गोपुरा और मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित 'ब्रह्म कलाशोत्सव' में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर अपने विचार साझा किए।

हनुमानगिरि की पवित्रता पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह स्थान त्रेता युग की याद दिलाता है। मान्यताओं के अनुसार, हनुमान जी द्वारा ले जाए जा रहे संजीवनी पर्वत का एक अंश यहाँ गिरा था। उन्होंने इस क्षेत्र को दक्षिणा अयोध्या बताते हुए कहा कि यह स्थान भगवान राम और हनुमान जी के अटूट बंधन और भक्ति का जीवंत प्रतीक है।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में भारतीय जीवन मूल्यों की प्रासंगिकता पर जोर दिया। भारतीय संस्कृति ने हमेशा वैश्विक शांति, समानता और सद्भाव का संदेश दिया है। आज पूरी दुनिया मानसिक शांति और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में प्रकृति (नदियाँ, पहाड़, वृक्ष) को पवित्र माना गया है, जो आज के सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है।

गहलोत ने कहा कि विशाल गोपुरम केवल वास्तुकला नहीं, बल्कि हमारी अटूट आस्था की ऊँचाई और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। इस गरिमामयी समारोह में श्री रामचंद्रपुर मठ के राघवेश्वर भारती स्वामीजी और सांसद कैप्टन बृजेश चौटा सहित कई गणमान्य व्यक्ति और श्रद्धालु उपस्थित थे। राज्यपाल ने अंत में तुलसीदास जी की रामचरितमानस का संदर्भ देते हुए नागरिकों से आह्वान किया कि वे सत्य, धर्म और परोपकार के मार्ग पर चलकर समाज कल्याण में अपना योगदान दें।

## सीजे रॉय सुसाइड केस में एसआईटी का खुलासा

# आईटी रेड के दौरान डिप्रेशन बनी मौत की वजह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के चर्चित उद्योगपति और कॉन्फिडेंट ग्रुप के संस्थापक-चेयरमैन सीजे रॉय की आत्महत्या मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने जांच पूरी कर ली है। जांच में निष्कर्ष निकाला गया है कि रॉय ने आयकर (आईटी) छापे के दौरान दबाव के कारण नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रहे डिप्रेशन के चलते खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। शुक्रवार को अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने इस मामले की जांच एसआईटी को इसलिए सौंपी थी क्योंकि आरोप लगाए जा रहे थे कि आयकर अधिकारियों के दबाव के कारण रॉय ने आत्महत्या की। हालांकि, जांच में ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला, जो बाहरी दबाव की पुष्टि करता हो। एसआईटी की रिपोर्ट के अनुसार, सीजे रॉय लंबे समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे और उनका इलाज भी चल रहा था। उन्होंने घटना से करीब एक महीने पहले दवाइयां लेनी बंद कर दी थी। अधिकारियों का मानना है कि यही एक बड़ा कारण हो सकता है, जिसने उन्हें इस कदम के लिए मजबूर किया। हालांकि, उनके डिप्रेशन की असली वजह क्या थी, यह अभी भी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बताया गया कि 30 जनवरी को बेंगलुरु स्थित उनके कार्यालय में आयकर विभाग की छापेमारी चल रही थी। उसी दौरान सीजे रॉय ने अपने प्रथम तल के केबिन में खुद को गोली मार ली। पुलिस के अनुसार, उस समय वह अपने कमरे में अकेले थे। गोली की आवाज सुनते ही आयकर अधिकारी अंदर पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जांच में यह भी सामने आया कि छापे के दौरान करीब एक घंटे तक उनसे पूछताछ की गई थी और कुछ अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने को कहा गया था। एक सेट दस्तावेज देने के बाद वे अपने कमरे में लौटे और खुद को गोली मार ली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रॉय पिछले कुछ महीनों से भारी वित्तीय दबाव में भी थे। उनके कारोबारी लेन-देन केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में थे, खासकर बड़े प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल हुए फंड के स्रोत को लेकर। निवेशकों का दबाव और टैक्स अधिकारियों की पूछताछ ने उनके मानसिक तनाव को और बढ़ा दिया था।

एसआईटी ने इन सभी पहलुओं (आयकर छापे की प्रक्रिया, वित्तीय रिकॉर्ड, परिवार के बयान और सहयोगियों की गवाही) का विस्तार से अध्ययन किया है। अब जांच पूरी होने के बाद चार्जशीट अदालत में दाखिल करने की तैयारी की जा रही है। इस मामले पर कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने पहले कहा था कि जांच में सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा और अंतिम रिपोर्ट के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। अब एसआईटी की रिपोर्ट ने इस बहुचर्चित मामले की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है।

# केंद्र से ऑटो गैस आपूर्ति समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री के. एच. मुनियप्पा ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से ऑटो गैस आपूर्ति के मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने का आग्रह किया। मंत्री ने केंद्र पर संकट में फंसे ऑटो चालकों की मदद करने में विफल रहने का आरोप लगाया। पश्चिम एशिया में उत्पन्न संकट के बाद मंत्री ने ऑटो गैस आपूर्ति के मुद्दे पर वरिष्ठ अधिकारियों और सरकारी तेल एवं गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

बेंगलूरु और राज्य के कई अन्य स्थानों पर ऑटो एलपीजी की कमी के कारण ऑटो सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। कई इलाकों में ईंधन स्टेशन के बाहर ऑटो की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जहां चालक आपूर्ति के लिए घंटों इंतजार कर रहे हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने पत्रकारों को बताया, व्यावसायिक सिलेंडर की आपूर्ति में सुधार हुआ है, लेकिन ऑटो गैस की आपूर्ति में नहीं। मुख्य सचिव ने छह अप्रैल को केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। इससे पहले मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) और मैंने भी उन्हें पत्र लिखे थे, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। ऑटो चालकों की मदद के लिए उपायों पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाई गई थी।

उन्होंने कहा, ऑटो गैस पर निर्भर लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है और मुझे लगता है कि केंद्र सरकार उनकी चिंताओं को दूर करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही है। उन्होंने कहा, राज्य में लगभग पांच लाख ऑटो में से तीन लाख ऑटो गैस पर निर्भर हैं। इनमें से 1.6 लाख बेंगलूरु में हैं और उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हमने केंद्र सरकार को इस समस्या के समाधान के लिए पत्र लिखा है, क्योंकि चालकों की आजीविका ऑटो पर निर्भर है। मैं केंद्र से इस समस्या का समाधान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में गैस से चलने वाले ऑटो की संख्या सबसे अधिक है।

# केरल की लापता छात्रा का शव चंद्रद्रोण पर्वत के पास मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कमगलूरु। चिक्कमगलूरु जिले में चंद्रद्रोणा पर्वत श्रृंखला स्थित माणिक्यधारा जलप्रपात के पास परिवार के साथ घूमने आई केरल की 10 वीं कक्षा की एक छात्रा के लापता होने के तीन दिन बाद शुक्रवार को उसका शव बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतका की पहचान कुमारी श्रीनंदा के रूप में हुई है, जो मंगलवार शाम से लापता थी। वह चंद्रद्रोण पहाड़ियों में 'ट्रेकिंग' के दौरान अपने परिवार से बिछड़ गई थी।

चिक्कमगलुरु के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार दयामा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, लड़की का शव मिल गया है और वह जो कपड़े पहने हुए थी, वे भी मिल गये हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया जाएगा और कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने बताया कि लड़की का शव सबसे पहले ड्रोन कैमरे की मदद से देखा गया था, जो झरने के पास लगभग 1,500 फुट गहरी खाई से बरामद हुआ। उसके जहां से लापता होने की सूचना मिली थी वहां से यह स्थान ज्यादा दूर नहीं था। उन्होंने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि खाई में दुर्घटनावश गिरने से उसकी मौत हुई या फिर इसका कोई अन्य कारण था।

पुलिस ने बताया कि श्रीनंदा लगभग 40 रिश्तेदारों के समूह के साथ केरल के पलक्कड़ से यहां आई थी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे वह जलप्रपात के पास परिवार के साथ थी, तभी अचानक लापता हो गई। परिवार ने रात करीब आठ बजे तक उसकी तलाश की, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। छात्रा की तलाश के लिए 'थर्मल ड्रोन' का भी इस्तेमाल किया गया, वहीं आपदा प्रबंधन दल भी अभियान में शामिल हुए।

इसी बीच, कोडागु जिले में एक अलग घटना में केरल की 36 वर्षीय महिला ताडियांडामोल पहाड़ियों में ट्रेकिंग के दौरान हाल में लापता हो गई थी, जिसे बाद में सुरक्षित खोजकर उसके परिवार से मिलाया गया।

**गरुड़ ग्लाइड**

भारतीय महिला क्रिकेटर श्रेयंका पाटिल, वंडरला हॉलिडेज के सीएमडी अरुण के. चिट्टिलापिल्ली और सीओओ धीरन सिंह चौधरी के साथ शुक्रवार को बेंगलूरु में नई 'गरुड़ ग्लाइड' राइड का आनंद लेती हुईं।

## सुविचार

**एकाग्रता ही शक्ति है। एक समय में एक ही काम करें, लेकिन उसे पूरी शिद्दत के साथ पूरा करें।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# पाकिस्तान : मध्यस्थ या मोहरा?

अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच युद्धविराम में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता को भारत की विदेश नीति के लिए झटका बताया जा रहा है! विपक्ष के कुछ नेताओं ने यह साबित करने में पूरी ऊर्जा लगा दी है कि पाकिस्तान को मौका मिलने से भारत की विदेश नीति फेल हो गई है। हालांकि वे इसका दूसरा पहलू नहीं देख रहे हैं। अभी सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि दोनों पक्षों में कोई समझौता हो पाएगा या नहीं? कागजों पर हस्ताक्षर ही होंगे या धरातल पर उसका असर दिखाई देगा? ट्रंप ने जब से युद्धविराम संबंधी घोषणा की है, उस पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। ईरान में धमाके पूरी तरह रुके नहीं हैं। वह भी मौका देखकर धावा बोल रहा है। उधर, इज़राइल हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर बम बरसा रहा है। लेबनान सुलग रहा है। जब कोई समझौता होने से पहले ऐसी तस्वीर है तो इसका भविष्य क्या होगा? अभी, ईरान और इज़राइल के मीडिया में क्या चल रहा है? दोनों तरफ के नेता आस्तीनें चढ़ा रहे हैं। अगर ऐसे माहौल में कोई समझौता हो गया तो वह कितने दिन टिकेगा? ट्रंप ने पाकिस्तान को बहुत सोच-समझकर बीच में लिया है। उसके प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख उनकी कोई बात टाल नहीं सकते। जैसे ही समझौते की शर्तों पर हस्ताक्षर होंगे, ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार पर दावेदारी जताने के लिए अपने पक्ष में माहौल बनाना शुरू कर देंगे। वे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख के मुंह से भी यह कहलवाएंगे कि 'ट्रंप बहुत बड़े शांति पुरुष हैं'। भले ही समझौते के बाद अमेरिका-इज़राइल दोबारा ईरान के साथ गुत्थमगुत्था हो जाएं। पाकिस्तान एक अगंभीर देश है। उसके शब्दों पर किसी को विश्वास नहीं है। ट्रंप को भी नहीं है। कहीं वे उसे बलि का बकरा तो नहीं बना रहे हैं? अगर समझौते के बावजूद हमले नहीं रुके तो ईरान भड़क सकता है। वह अपनी मिसाइलों का रुख पाकिस्तान की ओर कर सकता है। जनवरी 2024 में इन दोनों देशों के बीच टकराव हो चुका है।

वास्तव में ट्रंप पाकिस्तान को अपने फायदे के लिए मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर कल वे उसी पर सारा दोष डाल दें तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति का मिजाज मौसम की तरह पलट रहा है। उनके बयानों में भारी विरोधाभास है। अच्छा है कि वे पाकिस्तान के कंधे पर रखकर बंदूक चलाएं और पाकिस्तानी हुक्मरान उनकी जय-जयकार करें। भारत को ऐसे समझौते के लिए मध्यस्थ बनना भी नहीं चाहिए, जिसके सफल होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। यह समझौता न तो ईरानी नेतृत्व की जिद पर लगाम लगा पाएगा, न ट्रंप के बेतुके फरमानों पर विराम लगा पाएगा। शांति के लिए दोनों ही पक्षों में ईमानदारी का घोर अभाव है। सोचिए, अगर पाकिस्तान के बजाय भारत इस समझौते में मध्यस्थ बनता तो क्या होता? उस स्थिति में विपक्ष के नेता यह कहकर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना करते कि 'पराई पंचायती में कूदने की क्या जरूरत थी? ... क्या आपको इस समझौते का भविष्य नहीं मालूम था? ... क्या आपको ट्रंप के बड़बोलेपन की जानकारी नहीं थी?' उस स्थिति में ईरान के साथ भारत के संबंध खराब होते। इज़राइल के साथ भी रिश्ते बिगड़ते। तब विपक्ष यह कहकर केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेता, 'करवा दी शांति? ... बन गए विश्वगुरु? ... मध्यस्थता के चक्कर में करवा ली किरकिरी? ... क्या जरूरत थी ऐसा करने की? ... क्या अपने देश में समस्याओं की कमी है? ... महंगाई, बेरोजगारी, किसानों के मुद्दे ... कितनी समस्याएं हैं! ... अपने देश की परवाह नहीं है, अपने झगड़े मिटते नहीं हैं, दुनिया में शांति करवाने चले हैं!' जिस समझौते की नींव बिल्कुल खोखली हो, उसमें मध्यस्थता पाकिस्तान को मुबारक हो!

## ट्वीटर टॉक

नीतीश कुमार जी भारतीय राजनीति में उन दुर्लभ लोगों में से एक हैं जिन्होंने अपने कामों से अपने लंबे अनुभव, प्रशासनिक कुशलता और अच्छे शासन के प्रति प्रतिबद्धता को साबित किया है। उनके नेतृत्व में बिहार ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में जो तरक्की की है।

**-शिवराजसिंह चौहान**

लोकतंत्र में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बहुत ज़रूरी है। लेजिस्लेचर में महिलाओं की संख्या बढ़नी चाहिए; इसी मकसद से नए पार्लियामेंट बिल्डिंग में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास किया गया।

**-ओम बिरला**

कामखेड़ा बालाजी धाम मंदिर में दर्शन के लिए गया और दुष्यंत सिंह की पैदल यात्रा के चौथे फेज़ के उद्घाटन प्रोग्राम में शामिल हुआ। यह पैदल यात्रा सिर्फ़ एक इवेंट नहीं है, बल्कि हर इंसान से जुड़ने, उनकी समस्याओं को समझने और विकास के संकल्प को पूरा करने का एक मज़बूत ज़रिया है।

**-वसुंधरा राजे**

## प्रेरक प्रसंग

# जन्मभूमि की सुगंध

भगवान श्रीराम ने लक्ष्मण जी को आदेश दिया कि लंका जाकर विभीषण का राजतिलक संपन्न कराओ। लक्ष्मण लंका पहुंचे तो स्वर्ण नगरी की अनूठी शोभा तथा चमक-दमक ने उन्हें मोह लिया। लंका की वाटिका के तरह-तरह के सुगंधित पुष्पों को वे काफी समय तक निहारते रहे। विभीषण का विधिपूर्वक राजतिलक संपन्न कराने के बाद वे श्रीराम के पास लौट आए। उन्होंने श्रीराम के चरण दबाते हुए कहा, 'महाराज, लंका तो अत्यंत दिव्य सुंदर नगरी है। मन चाहता है कि मैं कुछ समय के लिए लंका में निवास करूं। आपकी आज्ञा की प्रतीक्षा है।' श्रीराम लक्ष्मण का लंका नगरी के प्रति आकर्षण देखकर बोले, 'लक्ष्मण, यह ठीक है कि लंका सचमुच स्वर्गपुरी के समान आकर्षक है, प्राकृतिक सुषमा से भरपूर है, किंतु यह ध्यान रखना कि अपनी मातृभूमि अयोध्या तो तीनों लोकों से कहीं अधिक सुंदर है। जहां मानव जन्म लेता है, वहां की मिट्टी की सुगंध की किसी से तुलना नहीं की जा सकती है।' लक्ष्मण अपनी जन्मभूमि अयोध्या के महत्त्व को समझ गए। उन्होंने कहा, 'प्रभु! वास्तव में हमारी अयोध्या तीनों लोकों से न्यारी है।'

## सामयिक

# अनिश्चय के भंवर में युद्धविराम का भविष्य

**अवधेश कुमार**

कुल 932 घंटे 35 मिनट यानी 40 दिनों के युद्ध में खरबों की क्षति के बाद खाड़ी में अस्थायी दो सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद ईरान ने भी इसे स्वीकार कर लिया तथा इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने कहा है कि वे ट्रंप के कदमों से सहमत हैं। हालांकि यह संघर्ष विराम है संघर्ष की समाप्ति नहीं। ईरान की ओर से कहा गया है कि उसने जो 10 बिंदु दिए अमेरिका उन पर विचार कर रहा है। अमेरिका ने कहा है कि हमने जो 15 शर्तें रखीं उन पर ईरान विचार कर रहा है। यानी दोनों ने शर्तों को स्वीकारने की घोषणा नहीं की है। दूसरे , इजरायल ने ईरान पर हमले रोकने की बात स्वीकारते हुए कहा है कि लेबनान समझौते से बाहर है। ईरान के 10 बिन्दुओं में लेबनान में हिज्बुल्लाह पर हमले रोकने की शर्त भी है। ट्रंप का कथन है कि युद्धविराम के बाद हम दीर्घकालिक शांति तथा पश्चिम एशिया के स्थायी समझौते की ओर बढ़ेंगे। क्या वाकई पश्चिम एशिया की जटिल समस्या का समाधान संभव है?

दुनिया भर में निहित स्वार्थी नैरेटिव चलाने वाले पहले दिन से अमेरिका इजरायल को विश्व खलनायक एवं ईरान को योद्धा तथा निर्दोष पीड़ित साबित करते रहे हैं। सोच यह है कि ट्रंप को झुकना पड़ा एवं ईरान ने अपनी शर्तों पर संघर्ष विराम माना तो साफ है कि ऐसे तत्व शांति नहीं कुछ और चाहते हैं। ट्रंप ने 6 अप्रैल को अपने पोस्ट में ईरान के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट धमकी दी थी कि अगर होर्मूज जलडमरूमध्य नहीं खोला तो एक ही पैकेज में उसके ऊर्जा संस्थान, आधारभूत संरचना, पुल सभी ध्वस्त होंगे। दिख रहा था कि ट्रंप दबाव की तरह भले धमकी का इस्तेमाल कर रहे हैं , वे युद्ध से वापसी भी चाहते थे, लेकिन उनके तेवर इतने कड़े थे और उन्होंने इसके प्रमाण दिए थे तो ईरान का अड़ियल रवैये पर पुनर्विचार करना स्वाभाविक था। ईरान अड़ता तो उसका विनष्ट होना निश्चित था। अगर भयानक रक्तपात व अनवरत युद्ध वाले पश्चिम एशिया समस्या का समाधान हो जाए तो विश्व में शांति स्थापना के ऐसे अध्याय की शुरुआत होगी जिसकी शायद कल्पना भी नहीं की जा सकती। किंतु तह साकार होता नहीं दिखता। इजरायल को लेकर ईरानी इस्लामी शासन की विचारधारा, व्यवहार , लेबानन, गाजा, इराक से यमन तक उसके द्वारा खड़े आतंकवादी समूह की गतिविधियां, आंतरिक राजनीति तथा यहूदी इस्लाम के बीच मजहबी विवाद आदि को आधार बनाएं तो यह लक्ष्य अत्यंत कठिन है।

तत्काल इतना हुआ है कि ईरान ने परिस्थितियां देखकर होर्मूज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही को स्वीकृति दी है किंतु यह भी कहा है कि ईरानी सेना के साथ समन्वय और तकनीकी शर्तों के आधार पर होगा। समस्या यही है। उसके सबसे बड़े सहयोगी चीन की समझाइस का तत्काल असर है। उसकी 10 शर्तों में ईरान जलडमरूमध्य के नियमन और नियंत्रण का उसका अधिकार स्वीकार करना, प्रति जहाज 2 करोड़ डॉलर टोल लेना भी शामिल है। हालांकि उसने कहा है कि इसमें ओमान का भी हिस्सा होगा। उसने ईरान पर भविष्य में हमले न करने तथा सुरक्षा की गारंटी, उसके न्यूक्लियर कार्यक्रम को जारी रखने की अनुमति, युद्ध की पूरी क्षतिपूर्ति, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की उपस्थिति की समाप्ति, लेबनान में सारे हमले रोकने आदि उसकी शर्तों ऐसी है जो स्वीकार नहीं हो सकती। उसने नहीं कहा है कि हिजबुल्लाह, हमास या हुती इजरायल पर हमले रोक देंगे। बावजूद रोकने के बाद अमेरिका तुरंत हमला शायद ही करे।

28 फरवरी को आरंभ युद्ध में ईरान को ऐसी अपूरणीय क्षति हुई है जिसकी उसने दुःस्वप्नों में भी कल्पना नहीं की थी। यह इस युद्ध का कटु सच है जिसको नकारने के बाद आप सही निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते। युद्ध में 3721 मौतें हुईं। इनमें ईरान में सबसे ज्यादा 2076, लेबनान में 1461और अरब देशों में 156 लोग मारे गए। अरब में इराक में 109, कुवैत में 7, बहरीन में 3, सऊदी अरब में 2,संयुक्त अरब अमीरात में 12, सीरिया में 4 और ओमान में 3 मौतें हुई। इसके समानांतर इजराइल में 26 लोग मारे गए तथा 13 अमेरिकी सैनिक भी। एक फ्रांसीसी सैनिक की मृत्यु हो गई। ईरान में कुल 13 हजार स्थानों पर बम गिरे हैं। कल्पना करिए कि कैसा विध्वंस हुआ है। उसकी न्यूक्लियर क्षमता वाले स्थान ध्वस्त किए गए, मिसाइल बनाने के केंद्र काफी हद तक विनष्ट हुए, उसके लिए जो स्टील और अन्य सामग्रियां चाहिए वहां भी विध्वंस हुआ। जिन स्थानों में अंदर प्रवेश करना कठिन था उनके गेट या अन्य दिखने वाले जगहों पर बम गिराकर जितना ध्वस्त किया जा सकता था उतना करके छोड़ दिया गया। आगे के लिए अमेरिका और इजरायल ने काफी विचार कर विनाश के लिए ऐसे स्थान चिन्हित किए थे जिनमें उसके महत्वपूर्ण बिजली केंद्र, पूल, संचार संस्थान, आवश्यक सेवाओं की आपूर्तियों के महत्वपूर्ण केंद्र आदि थे। 28 फरवरी के हमले के बाद ईरान के इतिहास का सबसे बड़ा आघात अयातुल्लाह अलखामेनेई, उनके परिवार व रिश्तेदारों के महत्वपूर्ण सदस्य तथा सत्ता शीर्ष के एक साथ करीब तीन दर्जन लोगों का मार दिया जाना था। अचानक एक रिक्ति आ गई। यह ऐसे ही था जैसे ईरान एक साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके महत्वपूर्ण मंत्रियों तथा इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू सहित प्रमुख मंत्रियों और सैन्य अधिकारियों को मार डाले। बीच में जो भी सामने दिखता सेना प्रमुख, खुफिया प्रमुख ,आईआरजीसी प्रमुख,पुलिस प्रमुख, बासित फोर्स प्रमुख, उनके उप प्रमुख , इनके उत्तराधिकारी सब मारे जा रहे थे। मोजताबा खामेनेई को उत्तराधिकारी घोषित किया गया लेकिन अभी तक वे नहीं दिखे और जैसी सूचना है इतनी बुरी तरह घायल हुए हैं कि उनका उठना कठिन है।

पूरा कमान आईआरजीसी जैसी इस्लामी शक्तियों के हाथ था, जिसनेअपने जवानों के एक इमाम के साथ नमाज पढ़ने का वीडियो जारी किया। जिसका संदेश था कि हम इस्लाम के मुजाहिद हैं, उसके लिए लड़ रहे हैं और हम शहीद होंगे तो मजहब के लिए जिसके लिए हम पैदा हुए हैं। सूत्र नागरिक शासन के हाथों होता तो शायद संघर्ष राम पहले हो जाता। मसूद पेजेश्कियन ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात आदि पर मिसइल हमले के लिए क्षमा मांगी किंतु उसके कुछ ही घंटे बाद फिर हमले हो गए। इससे साफ था कि इस्लामी क्रांति के बाद खामेनेई द्वारा सामान्य सेना, सुरक्षा, प्रशासन राजनीति के समानांतर शीर्ष भूमिका में मजहबी सेना -आंतरिक सुरक्षा , प्रशासन , राजनीतिक व्यवस्थायें खड़ी कीं कमान उनके हाथों में है । यही भविष्य की शांति में सबसे बड़ी समस्या होगी। मजहब आने के बाद किसी भी मुस्लिम देश के साथ युद्ध को निर्णायक अवस्था में पहुंचाना लगभग असंभव हो जाता है।

समस्या का मूल ईरानी इस्लामी शासन द्वारा इजराइल के अस्तित्व को केवल अस्वीकार करना ही नहीं उसे समाप्त करने का राष्ट्रीय लक्ष्य बनाना है। इसके लिए यमन की हुती से लेकर गाजा में हमस, लेबनान में हिजबुल्ला, इराक और अन्य जगह उसने आतंकवादी समूह खड़े किए और उनको सरेआम पूरी मदद देता है। यह संगठन मिसाइल और ड्रोन से हमले करते हैं। ईरान की इस्लामी व्यवस्था इजरायल को ही नहीं, संपूर्ण यहूदी समुदाय को इस्लाम का दुश्मन मानता है और उनकी सीधी घोषणा है कि आप हमारे हो या तुम्हारा पूरी तरह नाश करेंगे। इसमें इजरायल के सामने क्या विकल्प हो सकता है? ईरान पड़ोसी अरब देशों के विरुद्ध भी हमलावर रहता है। युद्ध के दौरान उसने इजराइल से ज्यादा संयुक्त अरब अमीरात पर ड्रोन हमले किए। अगर अमेरिका अकेले एकपक्षीय तरीके से ईरान से कोई समझौता करता है तो अरब देशों के सामने समस्या पैदा होगी।

वे ईरानी सैन्य शक्ति के भय वाली स्थिति में रहना नहीं चाहते। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात,बहरीन ओमान, कुवैत , कतर सभी चाहते थे कि अमेरिका वहां लंबा युद्ध करे और ईरान को सैन्य और आर्थिक दृष्टि से पंगु बनाकर समझौता करने के लिए मजबूर कर दे।अगर ईरान के स्थायी रुप से मजबूर होने की संभावना नहीं बनी तो ये देश भी अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने जिसमें मिसाइल से लेकर न्यूक्लियर शक्ति बनने का लक्ष्य शामिल होगा, दिशा में तेजी से अवसर होंगे। अरब के अनेक देशों ने इजरायल के अस्तित्व को घोषित या अघोषित स्वीकार कर लिया है। ईरान और उसके पोषित हथियारबंद समूह ऐसा कभी नहीं कर सकते। पर हमले के कुछ समय पूर्व तक पूरे ईरान में हजारों लोग इस्लामी शासन के विरुद्ध सड़कों पर थे। उनको बेरहमी से कुचला गया, फांसी दी गई। मुद्रास्फीति 120 प्रतिात से ऊपर चली गई थी। रियाल की कीमत डेढ़ लाख डॉलर तक थी। आज रियाल 0.000070 भारतीय रुपये के बराबर है। देश में त्राहि-त्राहि थी। कुर्द, अज़रबैजानी, बलोच, अरबी आदि का विद्रोह अपनी जगह है। ईरान के कुह-ए-सियाह क्षेत्र में फंसे दो पायलटो को अमेरिका द्वारा छुड़ाने के बाद वहां के लोगों के विरुद्ध आईआरजीसी व पुलिस बलों की कार्रवाई जारी है। इस क्षेत्र के लोग इस्लामी गणराज्य के विरुद्ध आवाज उठाते रहे हैं। तो ईरान के अंदर आने वाले समय में बड़ा उबाल भी देखने को मिलेगा। मोजताबा खामेनेई सत्ता संभालने लायक नहीं हुए तो शीर्ष स्तर पर भी व्यापक सत्ता संघर्ष देखने को मिलेगा। इसमें संघर्ष विराम का भविष्य बिल्कुल अनिश्चित है।

## नजरिया

# रिकॉर्ड मतदान, बदलता भारत

**प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'**

**असम, केरल और पुडुचेरी के चुनावों ने भारत को एक बड़ा संदेश दिया है। चुनाव आयोग की तैयारी, कड़ी सुरक्षा, ईवीएम पर बढ़ा भरोसा, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया से बढ़ी जागरूकता ने मतदान को जन-आंदोलन बना दिया। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि भारत का मतदाता अब बदल चुका है। वह चुप रहने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के प्रति सजग प्रहरी बन गया है।**

कभी-कभी इतिहास शोर से नहीं, कतारों में खड़ी खामोश भीड़ के संकल्प से लिखा जाता है। 9 अप्रैल 2026 ऐसा ही दिन था। असम, केरल और पुडुचेरी में भोर से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर जनसैलाब उमड़ पड़ा। कहीं भीगे हाथों में छाते थे, कहीं तपती सुबह से पहले ही चेहरों पर जिद चमक रही थी। कोई कांपते कदमों और झुकी कमर के साथ पहुंचा था, तो कोई पहली बार वोट देने का उत्साह आंखों में लिए खड़ा था। चेहरे अलग थे, भाषाएं अलग थीं, परिस्थितियां अलग थीं, लेकिन सबको एक ही विश्वास जोड़ रहा था-लोकतंत्र को और मजबूत करने का विश्वास। शाम तक आंकड़ों ने बता दिया कि जनता ने केवल मतदान नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र के पक्ष में अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार मतदान समाप्ति से एक घंटे पहले (शाम 5 बजे तक) के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की नई ताकत का ऐलान करने वाले हैं-असम में 84.42 प्रतिशत, केरल में 75.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.92 प्रतिशत मतदान। ये केवल संख्या नहीं, बल्कि उस जागते भारत की तस्वीर हैं, जो अब राजनीति को दूर से देखना नहीं, उसे अपनी मुट्ठी में लेना चाहता है। लगभग 5.3 करोड़ मतदाताओं की इस भागीदारी ने साफ कर दिया कि जनता अब भाषणों और नारों के पीछे चलने वाली भीड़ नहीं रही। वह सवाल करती है, जवाब मांगती है और अपने वोट से बता रही है कि सत्ता का असली मालिक नागरिक है। यही वजह है कि ये चुनाव केवल तीन राज्यों की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक भविष्य की दिशा बन गए हैं।

असम में इस बार का चुनाव कई अर्थों में ऐतिहासिक रहा। 126 सीटों वाले राज्य में 84.42 प्रतिशत मतदान ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 2023 के परिसीमन के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच यह पहला चुनाव था, इसलिए लोगों की भागीदारी भी बढ़ी। भाजपा-एनडीए, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सत्ता बचाने में जुटा है, जबकि कांग्रेस और अन्य दल वापसी की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि मतदाता दलों से अधिक अपने मुद्दों पर केंद्रित दिखा। भूमि अधिकार, सांस्कृतिक पहचान, सीमा सुरक्षा, बेरोजगारी और विकास जैसे सवाल लोगों को बूथ तक ले आए। डलगांव जैसे क्षेत्रों में 94 प्रतिशत से अधिक मतदान ने बता दिया कि असम अब केवल सरकार नहीं, अपना भविष्य चुन रहा है।

असम की जनता ने इस बार केवल वोट नहीं डाला, बल्कि अपनी राजनीतिक चेतना भी दिखा दी। पहचान, घुसपैठ, सीमाई तनाव और अवसरों की कमी से लंबे समय तक जूझते रहे इस राज्य ने साफ कर दिया कि अब उसे केवल वादे नहीं, ठोस जवाब चाहिए। गांवों, पहाड़ी इलाकों और सीमा से लगे क्षेत्रों में जिस तरह महिलाएं, बुजुर्ग और युवा मतदान के लिए निकले, उसने साबित कर दिया कि लोकतंत्र की ताकत शहरों तक सीमित नहीं है। असम ने यह भी दिखाया कि पूर्वोत्तर अब राष्ट्रीय राजनीति का किनारा नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली मजबूत आवाज बन चुका है। वहां की जनता ने बता दिया कि लोकतंत्र सबसे मजबूत तब होता है, जब सबसे दूर बैठा नागरिक भी अपने वोट की कीमत समझने लगे।

केरल में तस्वीर अलग थी, लेकिन संदेश उतना ही मजबूत। 140 सीटों पर हुए चुनाव में 75.01 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। यह आंकड़ा असम और पुडुचेरी से कम जरूर है, लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद जागरूक केरल में यह भागीदारी अपने आप में असाधारण है। एलडीएफ, यूडीएफ और भाजपा गठबंधन के बीच त्रिकोणीय मुकाबले ने चुनाव को और दिलचस्प बना दिया। पलक्कड़, कोझीकोड और कई जिलों में 80 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, पर्यावरण और महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता ने खुलकर अपनी राय दी। यहां मतदाता केवल दल नहीं देखता, बल्कि उनके काम, नीतियों और भविष्य की दिशा को भी परखता है।

केरल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि वहां लोकतंत्र केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कृति बन चुका है। बारिश के बावजूद बूथों पर लगी लंबी कतारों ने बता दिया कि यहां का नागरिक मतदान को अधिकार से अधिक कर्तव्य मानता है। बड़ी संख्या में महिलाएं और पहली बार वोट डालने वाले युवा मतदान के लिए पहुंचे। युवाओं ने बेरोजगारी, तकनीकी शिक्षा और बेहतर अवसरों के सवाल उठाए, जबकि महिलाओं ने स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दी। केरल के मतदाता ने साफ कर दिया कि अब राजनीति केवल विचारधारा तक सीमित नहीं रहेगी। जनता का विश्वास उसी दल को मिलेगा, जो उसकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

इन चुनावों में अगर किसी ने पूरे देश को सबसे ज्यादा चौंकाया, तो वह पुडुचेरी था। केवल 9.5 लाख मतदाताओं वाले इस छोटे केंद्र शासित प्रदेश में 86.92 प्रतिशत मतदान ने लोकतंत्र की नई मिसाल कायम कर दी। 30 सीटों वाले पुडुचेरी में एनडीए, कांग्रेस-डीएमके गठबंधन और अन्य दलों के बीच मुकाबला था, लेकिन सबसे बड़ी जीत जनता की भागीदारी की रही। कराईकल, पुडुचेरी और आसपास के इलाकों में सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर भीड़ उमड़ी रही। स्थानीय रोजगार, पर्यटन, बुनियादी सुविधाएं, विकास और स्वायत्तता जैसे मुद्दों ने लोगों को बूथ तक पहुंचाया। इस छोटे प्रदेश ने पूरे देश को बता दिया कि लोकतंत्र की ताकत आबादी से नहीं, नागरिकों की जागरूकता से तय होती है।

असम, केरल और पुडुचेरी के चुनावों ने भारत को एक बड़ा संदेश दिया है। चुनाव आयोग की तैयारी, कड़ी सुरक्षा, ईवीएम पर बढ़ा भरोसा, डिजिटल अभियान और सोशल मीडिया से बढ़ी जागरूकता ने मतदान को जन-आंदोलन बना दिया। लेकिन सबसे बड़ी बात यह रही कि भारत का मतदाता अब बदल चुका है। वह चुप रहने वाला नागरिक नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के प्रति सजग प्रहरी बन गया है। 4 मई को नतीजे आएंगे, सरकारें बनेंगी और समीकरण बदलेंगे, लेकिन इन चुनावों की सबसे बड़ी जीत पहले ही सामने आ चुकी है। वह जीत है जनता का यह विश्वास कि उसकी उंगली पर लगी स्याही केवल निशान नहीं, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# 'टटीरी' विवाद के बाद बादशाह ने गाने को नए अंदाज में रिलीज करने की घोषणा

**मुंबई/एजेन्सी**

पंजाबी सिंगर और रैपर बादशाह का विवादित सॉन्ग 'टटीरी' को अश्लील लिरिक्स की वजह से सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। सिंगर ने गलती को मानते हुए माफी भी मांग ली थी, लेकिन अब सिंगर इसी गाने के साथ दोबारा दर्शकों के दिलों में हरियाणा की लोकल और लोक संगीत की झलक दिखाने के लिए तैयार हैं। बादशाह ने बदलावों के साथ 'टटीरी' गाने को दोबारा रिलीज करने की घोषणा की है और नए टाइटल की घोषणा भी की है। सिंगर बादशाह ने सोशल मीडिया के जरिए 'टटीरी' को 'टटीरी फिर से' के रूप में रिलीज करने की घोषणा की है। सिंगर ने गाने के साथ सभी की भावनाओं का सम्मान करने की भी बात कही है और सभी को भरोसा दिलाया है कि जिन कारणों से हरियाणा और देश की भावनाओं को ठेस पहुंची थी, वो दोबारा नहीं होगा। गाना 14 अप्रैल को दोबारा यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर गाने की झलक शेयर करते हुए लिखा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने अपने गीत 'टटीरी' को लेकर सरकारी अधिकारियों, महिला आयोग, समाजसेवियों और हमारी संस्कृति की परवाह करने वाले कई लोगों की बातों को सुना है। उसी के आधार पर हमने गाने में जरूरी बदलाव किए हैं और जो भी हिस्सा अपमानजनक माना गया, उसे हटा दिया है। मैं इस प्रतिक्रिया और उसके पीछे की भावना का सम्मान करता हूं। एक कलाकार होने के साथ-साथ, अपनी समाज और संस्कृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी उतनी ही अहम है।

उन्होंने लिखा, टटीरी फिर से उसी सफर का अगला कदम है। आपका साथ, आपकी आवाज और आपका विश्वास ही है, जिसने इस गाने को जिंदा रखा है। उम्मीद है इसका नया रूप वही ऊर्जा और वही सम्मान लेकर चलेगा। गाना 14 अप्रैल को आधिकारिक तरीके से रिलीज किया जाएगा। ऐसा लग रहा है कि गाने में बदलाव के साथ सिंगर ने गाने के टाइटल में भी बदलाव करना सही समझा है।

# अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े सलमान खान

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान की हर पोस्ट चर्चा का विषय बन जाती है। इस कड़ी में उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ऐसी तस्वीर साझा की, जिसने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया। इस तस्वीर में वह जाने-माने उद्योगपति परिवार के सदस्य अनंत अंबानी के साथ एक बेहद मजेदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। सलमान खान द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में वह अनंत अंबानी की पीठ पर चढ़े हुए दिखाई दे रहे हैं और दोनों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आ रही है। फोटो में उनके बीच की दोस्ती साफ झलक रही है। सलमान खान ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ''यह बात सुनो, अगर याददाश्त कमजोर हो तो लिख लो, यह आदमी देश को भी उठाएगा।'' पोस्ट में सलमान खान ने आगे अनंत को अपना छोटा भाई बताया और उनके लंबे जीवन की कामना की। उन्होंने लिखा, ''मेरे छोटे भाई अनंत अमर रहे। वह दिल और दिमाग दोनों से बहुत मजबूत इंसान हैं और एक बेहद सच्चे स्वभाव वाला व्यक्ति हैं।''

इस पोस्ट के सामने आने के बाद फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं भी काफी दिलचस्प रही। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान और अनंत... दोनों की बॉन्डिंग कमाल की लग रही है।''दूसरे यूजर ने लिखा, 'सलमान सर, आपने जो भरोसा अनंत अंबानी पर दिखाया है, वो आपके भाईचारे को बयां करता है।'अन्य यूजर्स ने लिखा, 'भाईजान, आप हमेशा दिल जीत लेते हो', 'सब्र भाई का स्वैग अलग ही लेवल का है', 'कितने क्यूट लग रहे हो आप दोनों, सच में, बहुत फनी मोमेंट है।'बता दें कि सलमान खान ने अनंत के जन्मदिन के मौके पर एक इंस्टा पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने अनंत के साथ दो तस्वीरें साझा की, जिसमें पहले मुस्कुराते हुए, गले मिलते हुए और मस्ती करते दिखे। इस पोस्ट के साथ सलमान खान ने लिखा, ''सबसे निस्वार्थ, सबसे दयालु इंसान और कई लोगों के लिए प्रेरणा, मेरे छोटे भाई अनंत को जन्मदिन की बधाई।''

# मानव शरीर 'परफेक्ट डिजाइन' नहीं है, बल्कि विकास के लंबे दौर का परिणाम है : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिस्टल (ब्रिटेन)।मानव शरीर को अक्सर बेहतरीन डिजाइन का अद्भुत उदाहरण बताया जाता है जो सुंदर, कुशल और अपने उद्देश्य के लिए पूरी तरह अनुकूल है। लेकिन करीब से देखने पर एक अलग तस्वीर सामने आती है।

वास्तव में, यह एक त्रुटिरहित मशीन नहीं, बल्कि लाखों वर्षों में विकास के दौरान हुए बदलावों का परिणाम है। विकास में नई संरचनाएं शून्य से नहीं बनतीं, बल्कि पहले से मौजूद संरचनाओं में जरूरत के अनुसार, सुधार करता है।

इसके परिणामस्वरूप मानव शरीर की कई विशेषताएं पर्याप्त रूप से ठीक समाधान हैं। वे कार्यात्मक तो हैं, लेकिन पूर्ण नहीं हैं। कई बीमारियां और शारीरिक समस्याएं इन्हीं सीमाओं से उत्पन्न होती हैं।

### रीढ़ की हड्डी

मानव शरीर में रीढ़ अर्थात स्पाइन इस तर्क का सबसे अच्छा उदाहरण है। हमारी कशेरुक स्तंभ यानी वर्टिब्रल कॉलम का विकास चार पैरों वाले, पेड़ों पर रहने वाले पूर्वजों से हुआ, जहां इसका मुख्य कार्य लचीलेपन के साथ शाखाओं के बीच चलना और स्पाइनल कॉर्ड की रक्षा करना था। जब मनुष्य सीधा चलने लगा, तो रीढ़ को शरीर का वजन संभालने और संतुलन बनाए रखने की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिली तथा उस पर दबाव बढ़ा।

रीढ़ का लचीलापन वजन को संतुलित करने में मदद करता है, लेकिन इससे कमर दर्द, डिस्क खिसकने और अन्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ता है। ये समस्याएं इसलिए आम हैं क्योंकि रीढ़ वह काम कर रही है, जिसके लिए वह मूल रूप से विकसित नहीं हुई थी।

### गर्दन

गर्दन में मौजूद 'रिकरेंट लेरिंजियल नर्व' भी एक असामान्य संरचना का उदाहरण है। यह नस वेगस नर्व की शाखा है तथा हृदय की गति और आराम और पाचन के दौरान धड़कन तथा श्वांस को नियंत्रित करती है। यह बोलने व निगलने में भी मदद करती है।

सीधे रास्ते से मस्तिष्क से गले तक जाने के बजाय यह नस पहले छाती में नीचे जाती है, एक प्रमुख धमनी के चारों ओर घूमती है और फिर वापस गले तक आती है।

यह जटिल मार्ग किसी बुद्धिमान डिजाइन का परिणाम नहीं, बल्कि मछली जैसे पूर्वजों से विरासत में मिला है। समय के साथ गर्दन लंबी हुई, लेकिन नस का रास्ता नहीं बदला। इससे सर्जरी के दौरान चोट का जोखिम बढ़ जाता है।

### आंखें

मानव आंखें भी विकासवादी समझौते को दर्शाती हैं। आंख के पीछे स्थित रेटिना है, और प्रकाश को फोटोरिसेप्टर तक पहुंचने से पहले तंत्रिका परतों से गुजरना पड़ता है। ऑप्टिक नर्व रेटिना के पीछे से बाहर निकलती है, जिससे दृष्टि क्षेत्र में एक 'ब्लाइंड स्पॉट' बनता है, जहां हम देख नहीं सकते। हालांकि मस्तिष्क इस कमी को भर देता है, इसलिए हमें इसका एहसास नहीं होता। इस प्रकार, उत्कृष्ट दृष्टि के बावजूद हमारी दृश्य प्रणाली में यह खामी मौजूद है।

### दांत

मानव दांत भी बताते हैं कि विकास टिकाऊपन से अधिक कार्यक्षमता को प्राथमिकता देता है। मनुष्यों में केवल दो बार दांत आते हैं दूध के और स्थायी। एक बार स्थायी दांत टूटने या गिरने के बाद वे दोबारा नहीं आते, जबकि शार्क जैसे जीवों में दांत लगातार बनते रहते हैं।

## जलवा

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को आयोजित एक फैशन शो के दौरान रैंप पर अपना जलवा बिखेरती एक छात्रा।

# एक्सीडेंट के बाद अस्पताल से सीधे सेट पर पहुंची थीं अनु अग्रवाल

**मुंबई/एजेन्सी**

'आशिकी' फेम अभिनेत्री अनु अग्रवाल हमेशा से मानती हैं कि उनके साथ हुआ हादसा कोई जख्म नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है। इसी कड़ी में अभिनेत्री अक्सर अपनी जिंदगी के ब्लैक चैप्टर से कुछ न कुछ सकारात्मक संदेश प्रशंसकों से साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में अनु ने अपनी एक पुरानी फिल्म के सेट से ली गई तस्वीरों को इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अपने भीषण कार हादसे के बाद की एक घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें गलत नस में इंजेक्शन लग गया, जिससे वे फिर से बेहोश हो गईं। उस एक्सीडेंट के बाद अस्पताल से निकलते ही वह फिल्म के सेट पर वापस पहुंच गई थीं। अनु अग्रवाल ने लिखा, लेकिन, मैं मरी नहीं। मैं अस्पताल में थी। और वहां एक गलत इंजेक्शन मेरी नस में लग गया। मैं चीखी और फिर से बेहोश हो गई। अगले दिन मैं सेट पर वापस पहुंच गई। मेरा पैर घायल था और उस पर पट्टी बंधी हुई थी।

उन्होंने बताया, फिल्म के कॉस्ट्यूम में पैर वाली तरफ एक स्लिट था, जिसे ड्रेस डिजाइनर ने उल्टा कर दिया और सिल दिया। इसके बाद मैं घायल पैर के साथ शूटिंग में शामिल हो सकी। उस सीन में सैकड़ों डांसर थे और महल का भव्य सेट तैयार किया गया था। कई दिनों की मेहनत का प्रोडक्शन था।अनु ने लिखा कि उन्हें पता था कि प्रोड्यूसर का पैसा, पूरे क्रू का समय और बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ था। उन्होंने कहा, मैं अपनी वजह से किसी का नुकसान नहीं होने दे सकती थी, इसलिए मैं दर्द सहते हुए भी शूटिंग पूरी करने के लिए सेट पर डटी रही।साल 1999 में हुए भीषण कार एक्सीडेंट के बाद अभिनेत्री अनु अग्रवाल की जिंदगी भी हमेशा के लिए बदल गई। हालांकि, 'आशिकी गर्ल' इसे जख्म नहीं, जिंदगी की नई शुरुआत मानती हैं।'आशिकी' से रातों-रात स्टार बनी अनु उस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। डॉक्टरों ने भी उनकी रिकवरी के लिए दिन-रात मेहनत की, लेकिन अनु ने हार नहीं मानी। उन्होंने योग, मेडिटेशन और आध्यात्मिकता को अपनाया। वह मानती हैं कि योग ने उन्हें न सिर्फ शारीरिक रूप से ठीक किया, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक मजबूती भी दी।

इस हादसे को लेकर वह सोशल मीडिया पर अक्सर सकारात्मक पोस्ट करती हैं। पूरी तरह से ठीक होने के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली और योगा टीचर बनने का फैसला लिया। अनु अग्रवाल ने खुद की आत्मकथा 'अनयूजवल: मेमॉर ऑफ ए गर्ल हू केम बैक फ्रॉम डेड' भी लिखी है।

## बौछार

अयुध्या (थाईलैंड) में शुक्रवार को आगामी सोंगक्रान उत्सव (थाई नव वर्ष) के उपलक्ष्य में शुक्रवार को हाथियों के साथ पानी की बौछारों का आनंद लेते लोग।

# माफीनामे के शब्दों में बदलाव के लिए रणवीर सिंह तैयार, देवी की नकल उतारने के मामले में कोर्ट को दिया स्पष्टीकरण

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेता रणवीर सिंह, अपनी फिल्म 'धुरंधर : द रिवेंज' के अलावा, एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' के एक सीन की नकल करने को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोल होने के बाद अभिनेता ने माफी भी मांग ली थी, लेकिन अब अभिनेता ने शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय को बताया कि वह फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' के एक किरदार की नकल करने से जुड़े मामले में शिकायतकर्ता के साथ मिलकर अपने माफीनामे के शब्दों में बदलाव करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, शिकायतकर्ता ने कोर्ट को बताया था कि अभिनेता के माफीनामे में वास्तविकता और पश्चाताप नहीं दिखता है। वकील ने बताया कि हलफनामे में इरादे को ठीक से व्यक्त नहीं किया गया है। उन्होंने अधिक विशिष्ट और स्पष्ट माफी की मांग की।

कोर्ट फिलहाल रणवीर सिंह पर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें अभिनेता पर पिछले साल गोवा में आयोजित 56वें इफ्फ्अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा था। कार्यक्रम के दौरान, रणवीर सिंह ने कथित तौर पर फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' में अभिनेता ऋषभ शेट्टी द्वारा निभाए गए किरदार की नकल की और कथित तौर पर एक देवी को 'महिला भूत' कहा था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

इससे पहले रणवीर सिंह की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना को सूचित किया था कि माफीनामा पहले ही दाखिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने हलफनामे में यह भी कहा है कि वह संबंधित मंदिर में जाकर प्रार्थना करेंगे। हालांकि, शिकायतकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि हलफनामे में स्पष्टता की कमी है और उसमें पश्चाताप का पर्याप्त रूप से इजहार नहीं किया गया है। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद, अदालत ने मामले को 23 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया और शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप एक संशोधित हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखित तौर पर भी माफी मांगी थी और घटना के लिए खेद भी व्यक्त किया था। हालांकि विवाद के बढ़ने के बाद एक वकील द्वारा दायर शिकायत के आधार पर अभिनेता के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

# 'है जवानी तो इश्क होना है' से सामने आई वरुण-मृणाल की झलक

**मुंबई/एजेन्सी**

वरुण धवन और मृणाल ठाकुर अपनी अपकमिंग रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की नई झलक को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा में हैं। पूजा हेगड़े के साथ फिल्म का फर्स्ट लुक जारी करने के एक दिन बाद मेकर्स ने अब वरुण और मृणाल की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों की बॉन्डिंग काफी पसंद की जा रही है। मेकर्स के अलावा दोनों एक्टर्स ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर को गले लगाते और रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। दोनों की इस जोड़ी में जबरदस्त केमिस्ट्री दिख रही है। वरुण और मृणाल ने तस्वीर के साथ कैप्शन लिखा ,लेकिन जवानी में इश्क बार-बार होता है। दोनों की साथ वाली तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, मृणाल और वरुण को देखने का अब और इंतजार नहीं कर सकता। जबकि दूसरे ने कहा, इनकी केमेस्ट्री तो कमाल की है। वहीं, तीसरे यूजर ने लिखा, इस नई जोड़ी को स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

फिल्म की कहानी जवानी, प्यार और उसकी मस्ती पर आधारित है, जिसमें हल्का-फुल्का मनोरंजन और रोमांस का पूरा मिश्रण दिखने की उम्मीद है। फिल्म हंसी-मजाक और रोमांस से भरपूर होने वाली है।

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन डायरेक्टर डेविड धवन कर रहे हैं। इसमें वरुण धवन के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े के अलावा मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी और अली असगर जैसे कलाकार भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

# अंजना सिंह के लिए दोस्त ही हैं परिवार

**मुंबई/एजेन्सी**

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अंजना सिंह जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'लेडी बॉक्सर' में बॉक्सिंग रिंग में नजर आएंगी। इस फिल्म में अंजना सिंह एक मजबूत और बहादुर महिला बॉक्सर के किरदार में दिखेंगी। गुरुवार को अंजना ने फिल्म की शूटिंग का बीटीएस वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अंजना अपनी पूरी टीम के साथ बहुत मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। पारंपरिक साड़ी लुक में अंजना हाथों में बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए हैं। टीम के बाकी सदस्य भी उनके साथ मजे में ग्लव्स पहने हुए हैं और एक-दूसरे के साथ हल्की-फुल्की बॉक्सिंग कर रहे हैं। अंजना ने टीम को अपना परिवार बताते हुए लिखा, प्यार, हंसी, वफादारी, बस यही सब हमें चाहिए। दोस्त ही परिवार जैसे होते हैं। अभिनेत्री भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान रखती हैं। उन्होंने अब तक कई हिट फिल्मों में काम किया है। आमतौर पर अभिनेत्री पारिवारिक ड्रामा फिल्मों में बहू के रोल में देखने को मिलती हैं लेकिन इस फिल्म में उनका लुक थोड़ा सा अलग देखने को मिलेगा। फिल्म 'लेडी बॉक्सर' में वे मुक्के बरसाती नजर आएंगी। यह

फिल्म एक्शन और इमोशन से भरी होने वाली है। संतोष जोशी द्वारा निर्देशित फिल्म का लेखन सत्येंद्र सिंह ने किया है जबकि रवि तिवारी फिल्म के मुख्य सहायक निदेशक हैं। संदीप सिंह और अथर्व सिंह फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म में अंजना सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। भोजपुरी सिनेमा इन दिनों नई कहानियों और सशक्त महिला किरदारों की ओर बढ़ रहा है। 'लेडी बॉक्सर' इसी दिशा में एक अच्छा कदम है। इसकी शूटिंग आजमगढ़ में हो रही थी।अभिनेत्री की कुछ फिल्में रिलीज हो चुकी हैं, तो कुछ रिलीज के लिए बाकी है। अभी हाल ही में अंजना पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'किसान बहुरिया' में नजर आई थीं। ये फिल्म टेलीविजन और यूट्यूब दोनों पर प्रसारित हुई थी और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। किसान बहुरिया एक ऐसी महिला पर केंद्रित है जो पति की मानसिक हालत खराब होने और घर की स्थिति को ठीक करने के लिए खेती करती है।

# परिवार के चक्कर में महिलाएं भूल जाती हैं खुद का ख्याल : ममता कुलकर्णी

**मुंबई/एजेन्सी**

भारतीय परिवारों में महिलाएं अक्सर अपने परिवार की जिम्मेदारियों में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद की देखभाल पीछे छूट जाती है। इसी मुद्दे को लेकर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने एक वीडियो के जरिए बताया कि भारतीय समाज में हेल्थ को लेकर सोच में बदलाव की जरूरत है। ममता कुलकर्णी ने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि भारतीय महिलाएं अपनी पूरी जिंदगी पति और बच्चों की देखभाल में लगा देती हैं। वे घर और परिवार को प्राथमिकता देती हैं लेकिन अपनी सेहत पर ध्यान नहीं देतीं। मेरा मानना है कि यह सोच गलत है, क्योंकि अगर महिला खुद स्वस्थ नहीं होगी, तो वह अपने परिवार का सही तरीके से ख्याल भी नहीं रख पाएगी।'' उन्होंने कहा, ''यह समस्या सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं है। कई पुरुष और बच्चे भी सेहत को लेकर गंभीर नहीं होते। लोग जिम या हेल्थ क्लब तक तो पहुंच जाते हैं, लेकिन वहां जाकर मेहनत करने के बजाय समय बिताते हैं। इस आदत को बदलने की जरूरत है, ताकि

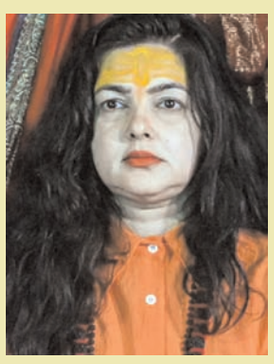

लोग सच में फिट रह सकें।''

विदेशों का उदाहरण देते हुए ममता कुलकर्णी ने कहा, ''वहां छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी अपनी फिटनेस को लेकर सजग रहते हैं। लोग नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं, आउटडोर एक्टिविटीज में हिस्सा लेते हैं और अपने शरीर को सक्रिय रखते हैं। यही कारण है कि वे लंबे समय तक फिट और एक्टिव रहते हैं।'' उन्होंने विटामिन डी की अहमियत पर भी जोर दिया। ममता ने कहा, ''धूप में समय बिताना शरीर के लिए बेहद जरूरी है। अक्सर लोग विदेशियों के पहनावे का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन यह नहीं समझते कि वे धूप से जरूरी पोषण ले रहे होते हैं, जो उनके शरीर के विकास और फिटनेस के लिए जरूरी है।'' ममता कुलकर्णी ने अपनी दिनचर्या साझा करते हुए बताया, मैं हफ्ते में एक या दो बार समुद्र के किनारे जरूर जाती हूं। वहां नंगे पैर रेत पर चलती हूं, यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। रेत में मौजूद नमक शरीर की अशुद्धियों को बाहर निकालने में मदद करता है। उन्होंने कहा, ''जब मैं समुद्र किनारे नहीं जा पाती, तो मैं हेल्थ क्लब में समय बिताती हूं। वहां स्विमिंग करती हूं, धूप लेती हूं और अपने शरीर को एक्टिव रखती हूं। कई बार दो से तीन घंटे तक धूप में समय बिताती हूं।''

# अशोकनगर संघ में आयोजित हुआ विश्व नवकार दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्थानकवासी जैन ट्रस्ट संघ अशोकनगर के सदस्यों ने महावीर भवन में साध्वीश्री रिद्धिश्रीजी व सिद्धिश्रीजी के सान्निध्य में गुरुवार को विश्व नवकार दिवस प्रसंग पर नवकार मंत्र का जाप किया।

इस मौके पर शूले के अतिरिक्त आस्टिन टाऊन, अलसूर, वनारपेट, शांतिनगर व आसपास के श्रद्धालुओं ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, मंत्री सुनील कुमार मरलेचा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

## मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत



गुरुवार को मैसूरु प्रवास पर आए केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री कुमार स्वामी एवं केंद्रीय रेल राज्यमंत्री वी सोमन्ना का राजस्थानी समाज मैसूरु की ओर से सम्मान किया गया। समाज के लोगों ने मैसूरु से जोधपुर के लिए साप्ताहिक ट्रेन चालू करने के लिए रेल राज्यमंत्री मंत्री वी. सोमन्ना को धन्यवाद दिया। सदस्यों ने इस रेलगाड़ी को नियमित करने का निवेदन किया। इस मौके पर राजस्थानी समाज के कांतिलाल जैन, वगताराम राइका, गौतम सालेचा आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

# म्यांमारर में 2021 में तख्तापलट का नेतृत्व करने वाले सेना प्रमुख राष्ट्रपति बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/एपी। म्यांमार के सैन्य कमांडर मिन आंग ह्लाइंग ने शुक्रवार को निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। ह्लाइंग ने वर्ष 2021 में आंग सान सू ची की असैन्य सरकार से सत्ता छीनने के बाद से दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश पर कठोर शासन किया। उनका शपथ ग्रहण समारोह उस आम चुनाव के बाद हुआ, जिसे संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों और मानवाधिकार समूहों ने न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष बताया है।

सू ची की लोकप्रिय 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी' पार्टी समेत कई अन्य पार्टियों ने इसमें भाग नहीं लिया। ह्लाइंग के सामने सू ची को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद शुरू हुए गृहयुद्ध को समाप्त करने की बड़ी चुनौती है, जिसका सशस्त्र प्रतिरोध हुआ था।

नाममात्र की लोकतांत्रिक सरकार की ओर वापसी को व्यापक रूप से असैन्य शासन की आड़ में सेना को सत्ता में बनाए रखने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

मिन आंग ह्लाइंग का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना सैन्य तानाशाहों की उस परंपरा का अनुसरण करता है, जिसमें वे खुद को देश के सर्वोच्च नेता के रूप में प्रस्तुत करते हैं और पक्षपातपूर्ण चुनाव के माध्यम से अपने शासन को वैधता प्रदान करने का प्रयास करते हैं। वह संसद द्वारा तीन अप्रैल को कराए गए चुनाव के बाद पांच साल तक राष्ट्रपति के रूप में सेवा देंगे। उनके मंत्रिमंडल के अधिकतर सदस्य भी सेना से जुड़े हैं।

शुक्रवार को शपथ लेने वाले 30 नए मंत्रिमंडल सदस्यों में से 28 वर्तमान या पूर्व जनरल, सैन्य समर्थित 'यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी' के सांसद या पिछली सैन्य सरकार के सदस्य हैं।

सैन्य समर्थक गुट के पास दो सदन वाली विधायिका में लगभग 90 प्रतिशत सीट हैं।

शपथ ग्रहण के बाद अपने भाषण में 69 वर्षीय मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, म्यांमार लोकतंत्र के पथ पर लौट आया है और एक बेहतर भविष्य की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने युद्धरत जातीय विद्रोहियों के साथ शांति स्थापित करने और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के साथ सामान्य संबंध बहाल करने का भी संकल्प लिया, जिसने राजनीतिक अस्थिरता से जुड़ी चिंता के बीच म्यांमार पर दबाव बनाए रखा।

मिन आंग ह्लाइंग ने राजधानी नैपीदॉ में नवनिर्मित संसद भवन में प्रथम उपराष्ट्रपति न्यो सॉ (पूर्व जनरल और ह्लाइंग के करीबी सलाहकार) और द्वितीय उपराष्ट्रपति नान नी नी अये (यूएसडीपी के जातीय समूह करेन के राजनेता हैं) के साथ पद की शपथ ली। दिसंबर और जनवरी में हुए आम चुनाव की व्यापक रूप से आलोचना की गई, जिसका एक कारण यह भी था कि देश के बड़े हिस्से में चल रहे गृहयुद्ध के कारण मतदान नहीं हुआ था।

# 'स्ट्रांग रूम' के बाहर उम्मीदवारों के प्रतिनिधि तैनात किए जा सकते हैं : निर्वाचन आयोग

तिरुवनंतपुरम। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि केरल विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के प्रतिनिधि 'स्ट्रांग रूम'' के बाहर तैनात किए जा सकते हैं। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मतदान संपन्न होने के बाद, चुनाव में इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) इकाइयों को संबंधित उम्मीदवारों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ''स्ट्रांग रूम'' में रखा गया। निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षकों की निगरानी में ईवीएम को सुरक्षित रखा गया। विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई और ''स्ट्रांग रूम'' के चारों ओर सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ दो स्तरीय सशस्त्र सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की गई है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, सभी प्रत्याशियों को लिखित रूप से सूचित किया गया है कि वे स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए अपने प्रतिनिधि नियुक्त करें और उन्हें आंतरिक सुरक्षा घेरा के बाहर रहने की अनुमति दी जाएगी।

## शैक्षिक संवाद

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दौरे के दौरान छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करती हुईं।

# आध्यात्मिक उन्नति और सौभाग्य प्राप्ति का प्राचीनतम मंत्र है नवकार मंत्र : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) हुब्बल्ली चैप्टर द्वारा गुरुवार को आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी के सान्निध्य में आयोजित नवकार महामंत्र जाप में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्र मानवजाति के खोजे हुए अत्यंत प्राचीन अद्भुत आविष्कार है। उनका अपना अनूठा ध्वनिविज्ञान हैं। तीन या तीन से अधिक स्वरों और व्यंजनों के जोड़ से बीजमंत्रों का निर्माण हुआ है। ॐ, ह्रीं, श्रीं, क्लीं जैसे अनेक बीजमंत्र आज भारतीय मंत्रसाहित्य और साधना पद्धत्ति की अमूल्य धरोहर हैं। ॐ और ह्रीं बीजमंत्रों में वैदिक परंपरा ब्रह्मा, विष्णु व महेश्वर की परिकल्पना करती है, जबकि जैन परंपरा उनमें चौबीस तीर्थंकर और पंच परमेष्ठी का प्रतिष्ठापन मानती है। मंत्र आध्यात्मिक साधना और भौतिक उन्नति और आत्मरक्षा के कारक तत्व माने जाते हैं। हजारों वर्ष बाद आज भी वे विज्ञान की पहुंच से परे हैं। ध्वनिविज्ञान के क्षेत्र में हो रही शोधखोल में विज्ञान अब ॐ, ह्रीं जैसे बीजमंत्रों की शक्ति और उनके महत्व को पहचानने लगा है। ङउन्होंने कहा कि नवकार आध्यात्मिक उन्नति और सौभाग्य की प्राप्ति का प्राचीनतम मंत्र है। हजारों वर्ष प्राचीन साहित्य और शिलालेखों में इसकी दिव्य साधना का मार्गदर्शन मिलता है। यह व्यक्तिवादी या संप्रदायवादी नहीं, बल्कि समष्टिवादी मंत्र है। यह गुणों और आत्म उपलब्धियों की निर्मल साधना है। यह भूत, भविष्य और



वर्तमान की मुक्त सिद्धात्माओं एवं पवित्रतम साधकों की उपासना है। नवकार कल्प में उल्लेख मिलता है कि जिसके हृदय में इस मंत्र का निवास हो, वहां दूसरी किसी शक्ति का प्रभाव नहीं होता, इसलिए इसे मंगलकारी मंत्र कहा जाता है। अपने हृदय में अष्ट कमलदल बनाकर इसका पद व वर्ण के अनुसार किया गया भावपूर्ण ध्यान साधक को सिद्धि, शांति और अपार शक्ति प्रदान करता है।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने आगे कहा कि इच्छा-तृष्णा, भोग-विलास, क्रोध, कामना आदि से मुक्त होने और आंतरिक दिव्य शक्तियों को उजागर करने के लिए हर वर्ग के लिए विधिपूर्वक नवकार महामंत्र की साधना अत्यंत आवश्यक है। भटकती दुनिया और भ्रमित मानसिकता को नवकार महामंत्र शांति और सही दिशा प्रदान कर सकता है। स्वच्छ तन-मन पूर्वक पूर्व दिशा के सम्मुख प्रातःकाल किया गया नवकार महामंत्र का ध्यान व जाप जीवन में साक्षात चमत्कार के दर्शन करवा सकता है। इस नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप में जैनाचार्य के मार्गदर्शन में प्राणायाम, आत्मरक्षा, आसान, मुद्रा, ध्यान, मंत्रध्वनि और संगीतपूर्वक तीन रागों में नवकार महामंत्र का जाप किया। इस अवसर पर जैनधर्म के श्वेतांबर, दिगंबर, स्थानकवासी, तेरापंथी, तपागच्छ, खरतरगच्छ, अचलगच्छ, त्रिस्तुतिक एवं चतुर्स्तुतिक, सभी वर्गों के साधकों ने एक स्थान पर एकत्रित होकर एकता की शक्ति और भक्ति का अद्भुत नज़ारा पेश किया।



# आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दयानंदसागर शिक्षण संस्थान के दयानंद सागर बिजनेस अकादमी कनकपुरा रोड उदयपुरा में अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव 'जायरोस-2026' का आयोजन किया गया जिसमें 50 से भी ज्यादा महाविद्यालय के 350 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढें, मंजिल आपका इंतजार कर रही है। दयानंद सागर बिजनेस अकाडमी विभाग के प्रमुख वासुदेव राव ने मुणोत को सम्मानित किया।

# पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग 'दुर्भाग्यपूर्ण':फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोई अमेरिका और ईरान के बीच शांति स्थापित करने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि मानवता का मुद्दा इससे कहीं बड़ा है।

पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने यह टिप्पणी पाकिस्तान के भीतर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल आसिफ मुनीर और विदेश मंत्री इसहाक डार को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने की मांग को लेकर पूछे गए सवाल पर की।

नेकां अध्यक्ष ने हजरतबल दरगाह पर जुमे की नमाज अता करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, नोबेल पुरस्कार के लिए कोई काम नहीं करता, मानवता के लिए काम करता है। नोबेल पुरस्कार की मांग करना दुर्भाग्यपूर्ण है। नोबेल पुरस्कार से भी बेहतर एक उद्देश्य है, वह है मानवता का उद्देश्य।

जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि युद्धों के कारण मानवता को पीड़ा झेलनी पड़ती है, और मानवता को ही बचाया जाना चाहिए। उन्होंने युद्ध की समाप्ति और क्षेत्र में शांति की स्थापना की आशा व्यक्त की।

अब्दुल्ला ने कहा, हमें ईश्वर का शुक्रगुजार होना चाहिए कि युद्ध रुक गया। ईश्वर करे कि युद्ध पूरी तरह से समाप्त हो जाए और दुनिया में शांति स्थापित हो जाए ताकि हम सभी को इसका लाभ मिल सके।

# होर्मुज़ जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बहाली के लिए सुरक्षा और भरोसा बहाल करना जरूरी

क्रॉले। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को युद्धविराम की घोषणा की और इसके बाद तुरंत उम्मीद जगी कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही जल्द सामान्य हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

ईरान ने युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगा दी थी।

अगली सुबह भी जलडमरूमध्य में यातायात बेहद सीमित रहा। कुछ ही पोत, जो मुख्य रूप से ईरान से जुड़े थे, वहां से गुजरे, जबकि खाड़ी में इंतजार कर रहे अधिकतर जहाज वहीं रुके रहे। इसके तुरंत बाद ईरान ने घोषणा की कि वह लेबनान पर इजराइल के हमलों के कारण प्रभावी रूप से इस जलडमरूमध्य को बंद करेगा। वास्तविकता यह है कि जलडमरूमध्य कभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ। इसे खुला या बंद बताना वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाता। जहाजों को रोका नहीं जा रहा है, बल्कि उन्हें वहां से गुजरने को लेकर हतोत्साहित किया जा रहा है। हाल के हफ्तों में ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने की अपनी क्षमता और मंशा दोनों प्रदर्शित की हैं। जहाजों पर हमलों और खतरों के कारण रोजाना गुजरने वाले पोतों की संख्या लगभग 130 से घट गई है। जब तक यह जोखिम बना रहेगा, जहाजों की वहां बड़ी संख्या में आवाजाही नहीं होगी।

युद्धविराम की घोषणाओं ने स्थिति को स्पष्ट करने के बजाय और अधिक अनिश्चितता पैदा कर दी है। वॉशिंगटन ने दावा किया है कि जलडमरूमध्य खुला है, लेकिन तेहरान का संदेश अधिक अस्पष्ट रहा है। इसमें यह संकेत भी शामिल हैं कि जहाजों को गुजरने से पहले ईरानी अधिकारियों को सूचित करना होगा।

## महिला विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत




बेंगलूरु के भीनमाल जैन संघ के तत्वावधान में भीनमाल स्पोटर्स कमेटी द्वारा आयोजित भीनमाल बॉक्स महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में पीएस टेक्स टीम ने संघवी सिक्सर टीम को हराकर कप पर कब्जा किया। वाणीगोता स्ट्राइकरस टीम ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। संघ व कमेटी के सदस्यों ने सभी प्रायोजकों व लाभार्थियों का सम्मान करते हुए धन्यवाद दिया तथा विजेताओं को सम्मानित किया।



# बाल शिक्षण शिविर में बच्चों ने भी किया नवकार मंत्र का सामूहिक जाप

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा शहर के 22 क्षेत्रों में 'बाल शिक्षण संस्कार शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। शहर के बाहर केजीएफ, दोड्डबलापुर एवं बागलकोट के केंद्रों पर कुल 1200 से अधिक विद्यार्थी जैन धर्म एवं जीवन संस्कार का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और लगभग 125 शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

गुरुवार को जीतो द्वारा आयोजित विश्व नवकार दिवस के अवसर पर सभी केन्द्रों पर एक साथ सामूहिक रूप से नवकार मंत्र का जाप किया गया। इस शिविर के समापन पर 18 अप्रैल को स्वाध्याय संघ द्वारा सभी शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा और विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।



# तेरापंथ महिला मंडल द्वारा वर्षीतप तपस्वियों को किया सम्मानित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा गुरुवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में वर्षीतप करने वाले तपस्वियों का सम्मान किया गया।अध्यक्ष महिमा पटावरी ने तपस्वियों एवं सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए सभी दस तपस्वियों का अभिनंदन किया। मंत्री सरिता छाजेड़ एवं सह मंत्री हंसा दुगड़ ने तपस्वियों का परिचय दिया। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गादिया ने अपने विचार व्यक्त किए तथा बेबी रियांशी ने कविता की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका अंजू सेठिया तथा आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने किया।

## भक्ति यात्रा

बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए शुक्रवार को पाकिस्तान रवाना होने से पहले खुशी जताते सिख तीर्थयात्री।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**